RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 322 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 22-06-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 जहां योग से तपा हुआ शरीर है, वहां न रोग है, न बीमारी : योगी

6 जंगल में आग, धधक रहे हैं पहाड़

7 खामोश रहकर भाव दिखाना सबसे बड़ी चुनौती : सोनाली बेंद्रे

फर्स्ट टेक

ईडी ने विजयन की बेटी को सीएमआरएल धनशोधन मामले में फिर तलब किया

कोच्चि/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की बेटी वीणा टी. को एक नया नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्हें 29 जून को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा गया है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। यह मामला खनन कंपनी सीएमआरएल और उनकी अब बंद हो चुकी आईटी कंपनी से जुड़े धनशोधन मामले से संबंधित है। इस मामले में 17 जून को ईडी के कोच्चि कार्यालय में उनसे धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामले के संबंध में नौ घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई थी। इसके बाद 19 जून को जांच के तहत ईडी अधिकारियों ने तिरुवनंतपुरम में उनके बैंक लॉकरों की भी जांच की।

गाजा में इजराइल के हमलों में अल जज़ीरा के कैमरामैन सहित छह लोगों की मौत

दीर अल बला (गाज़ा)/एपी। गाजा में शनिवार को इजराइल के हमलों में कम से कम छह लोग मारे गए जिनमें दो बच्चे और अल जजीरा का एक कैमरामैन भी शामिल है। फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइल और चरमपंथी समूह हमास के बीच अक्टूबर में हुए युद्धविराम के बावजूद, गाजा में लगभग रोजाना इजराइल के हमले जारी हैं, जिनमें अब तक 1,000 से अधिक फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। मंत्रालय के अनुसार शनिवार को पहला हमला स्थानीय समयानुसार लगभग रात दो बजे गाज़ा सिटी में एक इमारत पर हुआ। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि दो बहनों- ज़ीना (चार) और लाना (14) के शव शिफ़ा अस्पताल के मुर्दाघर लाए गए।

झारखंड के खूंटी में सात नक्सली गिरफ्तार

खूंटी (झारखंड)/भाषा। झारखंड के खूंटी जिले में रविवार को प्रतिबंधित संगठन पीएलएफआई के एरिया कमांडर समेत सात नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) का एरिया कमांडर श्रवण दास पुलिस के साथ हुई एक मुठभेड़ में घायल हो गया।
पुलिस के मुताबिक, उसने कथित तौर पर एक हथियार छीन लिया था और जंगल में पुलिसकर्मियों पर गोलियां चला दी थीं, जहाँ वह हथियारों और गोला-बारूद के छिपे हुए जखीरे को बरामद करवाने के बहाने उन्हें ले गया था।

22-06-2026 सूर्यास्त 6:48 बजे | 23-06-2026 सूर्योदय 5:55 बजे

BSE	NSE
76,802.90	24,013.10
(-607.08)	(-154.90)

सोना	चांदी
15,018 रु.	240,672 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पूर्वाग्रह छोड़ें

क्या किसी एक दुर्घटना पर,
हम सबको दोषी कह डालें।
गलती तो कोई एक करे,
क्या बैर सभी से ही पालें।
ना धर्म जाति या वर्ग बुरे,
सबको ना इक साँचे ढालें।
जड़ताएं तज बन कर जहीन,
ऐसी सब स्थितियों को टालें।।

देश के आर्थिक एवं सामरिक प्रभाव के लिए निर्णायक हैं मजबूत समुद्री क्षमताएं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि मजबूत समुद्री क्षमताएं किसी देश के आर्थिक और सामरिक प्रभाव को तय करने में निर्णायक भूमिका निभाती हैं तथा भारत इस बात को अच्छी तरह समझता है और इसके लिए तैयारी कर रहा है।

मोदी ने यहां श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर स्वदेश निर्मित तीन पोतों को नौसेना में शामिल करने के बाद अपने संबोधन में कहा कि भारत रक्षा क्षेत्र में केवल खरीदार देश बनकर नहीं रहना चाहता और देश के सशस्त्र बल दुनिया के लिए महज एक बाजार नहीं बने रह सकते। उन्होंने कहा, ''हमारी क्षमताओं की पहचान आत्मनिर्भरता से है, दुनिया के लिए बाजार बनने से नहीं।''

मोदी ने कहा, ''कोई भी देश समुद्री ताकत के बिना बड़ी शक्ति नहीं बन सकता। विकास, सुरक्षा और समृद्धि समुद्र से जुड़े हुए हैं। समुद्री क्षमताओं से लैस देश मजबूत होता है और उसका आर्थिक एवं सामरिक प्रभाव अधिक होता है।'' उन्होंने कहा कि भारत इस वास्तविकता को अच्छी तरह समझता है और इसके लिए स्वयं को तैयार कर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वदेश निर्मित तीन पोतों-'स्टील्थ फ्रिगेट' 'दूनागिरि', सर्वेक्षण पोत 'संशोधक' और पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'अग्रय' को नौसेना में शामिल किया। उन्होंने कहा कि प्रथम पंक्ति के ये पोत समुद्री युद्ध, जल सर्वेक्षण और पनडुब्बी रोधी युद्ध से जुड़ी महत्वपूर्ण अभियानगत क्षमताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

मोदी ने कहा कि भारत ने कुछ वर्ष पहले विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को नौसेना में शामिल कर अपनी समुद्री क्षमताओं का प्रदर्शन किया था। भारत के पहले स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को 2022 में नौसेना में शामिल किया गया था। उन्होंने कहा कि आईएनएस विक्रांत से लेकर आज तक की भारत की यात्रा केवल नए युद्धपोतों की नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ने की यात्रा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आईएनएस अग्रय, आईएनएस दूनागिरि और आईएनएस संशोधक को नौसेना में शामिल किए जाने से इस यात्रा को गति मिल रही है। उन्होंने कहा, ''इन तीनों पोतों का डिजाइन और निर्माण भारत में किया गया है तथा ये पोत देश की प्रतिभा का प्रतिनिधित्व करते हैं।''

मोदी ने कहा कि भारत खरीदार देश से निर्माता देश में तेजी से बदल रहा है। उन्होंने कहा, ''जिस दिन हम निर्माता बन जाएंगे, उस दिन हम निर्णय लेने वाले भी बन जाएंगे।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत कभी दुनिया के सबसे बड़े रक्षा आयातक देशों में शामिल था और इस निर्भरता के कारण देश को सामरिक एवं सुरक्षा संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि योग न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है बल्कि वैश्विक शांति का मार्ग प्रशस्त करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। दुनियाभर में जारी कई संघर्षों और भू-राजनीतिक तनावों के बीच मोदी की यह टिप्पणी इस बात को रेखांकित करती है कि भारत की यह प्राचीन पद्धति व्यक्तिगत स्वास्थ्य और कल्याण तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें समाजों में सामूहिक शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने की भी क्षमता है। मोदी ने कोलकाता के प्रतिष्ठित 'रेड रोड' पर हजारों लोगों की मौजूदगी में आयोजित 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह को संबोधित करते हुए योग से मिलने वाली संतुलित जीवनशैली और हर उम्र के लोगों द्वारा इस परंपरा को अपनाए जाने की जरूरत पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने भगवद्गीता का उल्लेख करते हुए कहा कि काम, खानपान और नींद में संतुलन दुखों को दूर करने की कुंजी है तथा योग लोगों को यह संतुलन हासिल करने का मार्ग दिखा सकता है। मोदी ने कहा, ''यही संतुलन जीवन की तरह योग का भी मूल आधार है।'' उन्होंने कहा, ''आधुनिक जीवनशैली में अधिकतर लोग इस संतुलन को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। योग हमें संतुलित ढंग से जीने की कला सिखाता है। यह हमें बताता है कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं। जब हम अपने शरीर का सही तरीके से संचालन करना सीख जाते हैं तो स्वस्थ रहना हमारी आदत बन जाता है।'' प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित नहीं करता बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के जरिये शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने का मार्ग भी दिखाता है।

मोदी भारत को बर्बाद कर रहे और ट्रंप दुनिया को : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि खुद को ''अच्छा दोस्त'' बताने वाले ये दोनों नेता अपने-अपने क्षेत्रों को (एक देश को, तो दूसरा दुनिया को) बर्बाद कर रहे हैं।

अयोध्या में राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़ी निधि में हेराफेरी के आरोपों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि धर्म के नाम पर ''लूट'' हुई है।

खरगे ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के आयोजन को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोला और छात्रों तथा अभिभावकों के साथ ''धोखाधड़ी'' करने का आरोप लगाया। खरगे ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की।

वह यहां एक अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे, जिसमें बी.के. हरिप्रसाद ने कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष का पद संभाला। खरगे ने कहा, ''मोदी देश को बर्बाद कर रहे हैं। ट्रंप पूरी दुनिया को बर्बाद कर रहे हैं। दोनों खुद को 'अच्छा दोस्त' बताते हैं। दोनों अच्छे दोस्त, आप देश का नाम खराब कर रहे हैं और आप दोनों की वजह से लोग परेशान हो रहे हैं।''

ईंधन की बढ़ती कीमतों के लिए ट्रंप को जिम्मेदार ठहराते हुए उन्होंने दावा किया, ''भारत ने नेहरू के समय से ही गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाई और सभी देशों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखे। लेकिन उस नीति को छोड़ दिया गया है, और मोदी ने हर किसी को अपना दोस्त बताकर तथा उन्हें गले लगाकर हमें इस स्थिति में पहुंचा दिया है।'' उन्होंने कहा, ''हमें (कांग्रेस कार्यकर्ताओं को) यह ध्यान में रखना चाहिए कि कौन सी सरकार देश और इसके लोगों के लिए फायदेमंद होगी। हमें लोगों को इसके बारे में बताना चाहिए। लोगों के पास जाएं और उन्हें समझाएं कि क्या हो रहा है।''

खरगे ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पार्टी के मूल मूल्यों और विचारधारा से समझौता किए बिना पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि लालकृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा के बाद अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए दान और सामग्री एकत्र की गई थी, लेकिन उसका कोई उचित हिसाब नहीं दिया गया। खरगे ने दावा किया कि अब मंदिर से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं की खबरें आ रही हैं।

मेकेदातु दोनों राज्यों के लिए फ़ायदेमंद है; इस पर बहस करना सही नहीं है : एचडी कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। केन्द्रीय बड़े उद्योग और लोकनिर्माण मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि यह बात सब जानते हैं कि कर्नाटक में सूखे की स्थिति है। हालांकि, पड़ोसी तमिलनाडु का कावेरी मुद्दे पर बड़ा रिस्क लेना सही नहीं है। मंड्या में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के बाद मीडिया से बात करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा; यह पहली बार नहीं है जब तमिलनाडु बड़ा रिस्क ले रहा है। वह पिछले 50 सालों से कावेरी मुद्दे पर समस्याएँ खड़ी कर रहा है। तमिलनाडु ने कोटे से दोगुना पानी दिया है। उन्हें यह याद नहीं है। जब जलाशय भरे हुए थे, तो उस राज्य में पानी आसानी से बहता था। उन्होंने कहा कि जब बारिश की कमी के कारण जलाशय खाली हैं, तो उस राज्य का हम पर पानी के लिए दबाव डालना ठीक नहीं है।

तमिलनाडु के लोगों को असली हालात समझने चाहिए। हम, जो पड़ोसी राज्यों में रहते हैं, भाई-बहनों की तरह होने चाहिए। फेडरल सिस्टम में टकराव ठीक नहीं है। तमिलनाडु को समझना चाहिए कि अगर हम मौजूदा हालात को समझें और मिलकर काम करें तो दोनों राज्यों के लिए बेहतर है। कुमारस्वामी ने कहा कि टांग अड़ाकर लड़ाई में पड़ना अच्छा कदम नहीं है। कर्नाटक के साथ हर तरफ से लगातार गलत हो रहा है। हमने कृष्णराजसागर, काबिनी, हरंगी, हेमावती समेत सभी डैम अपने राज्य के लोगों के पैसे से बनाए हैं। अगर हमने अपने पैसे से डैम बनाए हैं, तो हमने उन्हें ऐसी मशीनों में बदल दिया है जिनसे पानी पड़ोसी राज्यों पर गिरता है। मंत्री ने दुख जताया कि राज्य की नाकामी के कारण ऐसी स्थिति बनी है।

जब तक देवेगौड़ा इस देश के प्रधानमंत्री नहीं बने, तब तक सिंचाई के मामले में हो रहे अन्याय को ठीक नहीं किया गया। जब वे राज्य विधानसभा के सदस्य थे, तो उन्होंने सदन के अंदर और बाहर लगातार लड़ाई लड़ी और काबिनी, हरंगी और हेमावती बांधों के निर्माण में अहम भूमिका निभाई। यह लोगों के साथ अन्याय है कि कुछ लोग इस मुद्दे का राजनीतिक मकसद के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने शिकायत की कि हमारे बांध ऐसे बांध बन गए हैं जो पड़ोसी तमिलनाडु को पानी छोड़ते हैं।

मेकेदातु प्रोजेक्ट को रोकने के तमिलनाडु के कदम को मानना नामुमकिन है। हमारे राज्य के हिस्से के पानी का इस्तेमाल करने के लिए इस प्रोजेक्ट को लागू करने की ज़रूरत है। सबसे ज़रूरी बात यह है कि बेंगलूरु की पीने के पानी की ज़रूरतों के लिए इस बांध का निर्माण बहुत ज़रूरी है। राज्य ने पहले ही केंद्र सरकार को एक डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (उन्झठ) जमा कर दी है। केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि तमिलनाडु राज्य की सहमति ज़रूरी है। अगर मेकेदातु लागू होता है, तो दोनों राज्यों को फ़ायदा होगा। एक बार बांध पानी से भर जाने के बाद, ज़्यादा पानी उस राज्य में चला जाएगा। इसे रोका नहीं जा सकता। उन्होंने दुख जताया कि तमिलनाडु इस आसान से मुद्दे का बतंगड़ बना रहा है।

हमने बार-बार कहा है कि हम पीने के पानी के लिए मेकेदातु योजना लागू कर रहे हैं। इसीलिए हमने डीपीआर में इसका ज़िक्र किया है।

प्रश्नपत्र लीक विवाद के बाद कड़ी सुरक्षा के बीच

20 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने नीट पुनर्परीक्षा दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। प्रश्नपत्र लीक होने के कारण तीन मई को हुई परीक्षा रद्द किए जाने के बाद, 20 लाख से अधिक मेडिकल अभ्यर्थी रविवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) की पुनर्परीक्षा में दूसरी बार शामिल हुए। यह मुद्दा सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया था और इसके खिलाफ व्यापक जन आंदोलन भी शुरू हो गया था।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने कहा कि समग्र सरकारी दृष्टिकोण ने परीक्षा को इतने बड़े स्तर के आयोजन को रिकॉर्ड समय में आयोजित कराने में मदद की।

एनटीए ने एक बयान में कहा कि नीट-यूजी 2026 पुनर्परीक्षा में भारत के 5,440 केंद्रों और विदेशों के 14 केंद्रों पर 20 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। यह परीक्षा हिंदी और अंग्रेजी समेत 13 भाषाओं में आयोजित की गई। एजेंसी ने कहा कि यह सिर्फ एनटीए के प्रयास नहीं थे बल्कि यह 'टीम भारत' की भावना थी।

एनटीए ने कहा, ''कुल मिलाकर, इस परीक्षा के आयोजन के लिए पूरे भारत में लगभग सात लाख अधिकारी, पुलिस दल, पर्यवेक्षक और परीक्षा कर्मचारी तैनात किए गए, और यह कार्य रिकॉर्ड 37 दिनों में पूरा किया गया। एनटीए विशेष रूप से देशभर के शैक्षणिक संस्थानों के उन विशेषज्ञों का आभारी है, जिन्होंने प्रश्नपत्रों के कई सेट तैयार करने में अपना व्यक्तिगत समय दिया।''

अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने यह परीक्षा भारत के 551 शहरों में 5,440 केंद्रों और विदेशों में 14 केंद्रों पर आयोजित की। उन्होंने बताया कि परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए 51,311 जैमर लगाये गये थे।

इससे पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिल्ली के ओखला स्थित एनटीए मुख्यालय में नीट-यूजी पुनर्परीक्षा के सुचारु संचालन की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। शिक्षा मंत्रालय ने कहा, ''एनटीए ने मंत्री को परीक्षा के कुशल और पारदर्शी ढंग से संचालन के लिए की गई तकनीकी व्यवस्थाओं की जानकारी दी।''

पुनर्परीक्षा अपराह्न दो बजे शुरू हुई जो शाम 5.15 बजे तक चली। दिव्यांग अभ्यर्थियों को परीक्षा के लिए शाम 6:20 बजे तक अनुमति दी गई।

एनटीए ने कहा कि सभी अभ्यर्थियों, जिनमें 10,000 से अधिक दिव्यांग व्यक्ति शामिल हैं, के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई थीं। एजेंसी ने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर आधार-आधारित बायोमेट्रिक और चेहरे की पहचान, सीसीटीवी निगरानी, जैमर तथा राज्य पुलिस के सहयोग से सभी व्यवस्थाएं की गई थीं।

एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने कहा, ''कुछ जगहों पर गलत प्रवेश पत्र लेकर आने के और कुछ स्थानों पर जाली प्रवेश पत्र लेकर आने की सूचनाएं मिलीं।

आधुनिकता और परंपरा के समन्वय से ही देश का संतुलित विकास संभव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जबलपुर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को युवाओं से अपनी पहचान और परंपरा की 'पवित्रता' बनाए रखने का आह्वान करते हुए कहा कि आधुनिकता व परंपरा के समन्वय से ही देश का संतुलित विकास संभव है।

राष्ट्रपति मुर्मू, यहां रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने विभिन्न संकायों में एक से अधिक स्वर्ण पदक अर्जित करने वाले 20 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किये और उपाधियों का वितरण किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 141 विद्यार्थियों को 240 स्वर्ण पदकों का वितरण किया गया।

साथ ही 182 शोधार्थियों को पीएचडी सहित विभिन्न उपाधियां प्रदान की गईं।

राष्ट्रपति कहा कि रानी दुर्गावती त्याग, परिश्रम और बलिदान की प्रतिमूर्ति थीं तथा नारी शक्ति के लिए प्रेरणा का प्रतीक हैं।

रानी दुर्गावती के नाम पर विश्वविद्यालय का नाम रखा गया है।

राष्ट्रपति ने कहा, ''विकास की दौड़ में जो लोग पीछे छूट गए हैं, उन्हें आगे लाना और मुख्यधारा से जोड़ना जरूरी है। हम सभी को मिलकर यह प्रयास करना चाहिए कि हमारे विद्यार्थियों और युवाओं को आधुनिक विकास की प्रक्रिया में सहभागी बनने का अवसर मिले।'' उन्होंने कहा, ''विद्यालयों को अपनी पहचान और परंपरा को नहीं भूलना चाहिए। इसकी पवित्रता बनाए रखना जरूरी है। आधुनिकता और परंपरा के समन्वय से ही देश का संतुलित विकास संभव है।''

मुर्मू ने जनजातीय समाज के लोगों में कौशल और ज्ञान को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आधुनिकता के साथ विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति और परंपरा के प्रति भाव भी विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की पहचान, संस्कृति, परंपरा और अस्मिता को बनाए रखना उतना ही आवश्यक है, जितना आधुनिक विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हनुमंतनगर

बेंगलूरु के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में युवा मंडल के संयोजन में रविवार को जैन गुरुकुल धार्मिक पाठशाला में, जैन स्थानक में विश्व अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं फादर्स डे कार्यक्रम मनाया गया। शिक्षक संजय कुमार कचोलिया और वंदना चोपड़ा ने उपस्थित बच्चों को योग, ध्यान, प्रार्थना का महत्व बतलाते हुए सभी विधार्थियों को योग साधना का शिक्षण, प्रशिक्षण अभ्यास करवाया। हनुमंतनगर संघ के अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी एवं सचिव सुरेश कुमार धोका ने योग दिवस की शुभकामनाएं दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेयुप राजाजीनगर

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा 'योग से ही होगा 3.0' का आयोजन प्रेस्टीज वेस्टवुड अपार्टमेंट में कराया गया। तेरापंथ सभा राजाजीनगर के पूर्व अध्यक्ष एवं योग प्रशिक्षक उत्तमचंद गन्ना ने उपस्थित 200 जनों को विभिन्न योगासन, सूर्य नमस्कार, कायोत्सर्ग एवं श्वासन आदि का अभ्यास करवाया तथा योग से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रेक्षा ध्यान प्रशिक्षिका रेणु कोठारी ने प्रेक्षा ध्यान का अभ्यास करवाया।

पंजाब पुलिस ने विदेशी आकाओं से जुड़े गैंगस्टर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया, तीन गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने विदेशी आकाओं से जुड़े एक गैंगस्टर मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए इसके तीन गुर्गों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि इनके पास से विदेश निर्मित तीन आधुनिक पिस्तौल और कारतूस बरामद किए गए हैं। यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह कार्रवाई राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी), अमृतसर और काउन्टर इंटेलीजेंस, जालंधर ने एक केंद्रीय एजेंसी के समन्वय से की। यादव ने लिखा, ''संगठित अपराध और गैंगस्टर नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एसएसओसी, अमृतसर और काउन्टर इंटेलीजेंस, जालंधर ने एक केंद्रीय एजेंसी के साथ समन्वय में, विदेश में बैठे आकाओं से जुड़े एक गैंगस्टर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है।''

छत्तीसगढ़ सरकार योग शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देगी : साय

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार योग के व्यापक प्रचार-प्रसार और इसके संस्थागत विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

साय 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर सरगुजा जिले के मुख्यालय अंबिकापुर स्थित पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि योग के संस्थागत विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने योग विषय को समाज कल्याण विभाग से चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। साय ने कहा, ''योग, आयुष प्रणाली का एक महत्वपूर्ण अंग है। यह निर्णय योग शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा जन-जागरूकता गतिविधियों को नई दिशा और गति प्रदान करेगा।'' सरकार का लक्ष्य योग को हर गांव, स्कूल, कॉलेज और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है, ताकि स्वस्थ जीवनशैली एक जन आंदोलन का रूप ले सके।

टीपीएफ ने योग दिवस पर आयोजित किए अनेक कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) बेंगलूरु सेन्ट्रल ने जेसी रोड पर 'फनडे संडे-मीट एंड ग्रीट विथ योग एडिशन' का आयोजन किया जिसमें टीपीएफ, फ्यूचरा सदस्यों एवं उनके परिवार सदस्यों ने भाग लिया। सेन्ट्रल के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन योग विशेषज्ञ, साउंड हीलिंग थेरेपिस्ट, रिट्रीट विशेषज्ञ एवं कॉर्पोरेट मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता सपना जैन ने किया। उन्होंने विभिन्न उर्जा चक्रों को संतुलित करने के लिए संबंधित योगासन एवं बीज मंत्रों का अभ्यास करवाया। ङ्कङ्कइस मौके पर दक्षिण ज़ोन सचिव भरत भंसाली, सेंट्रल के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा सहित लगभग अनेक सदस्य उपस्थित थे। राहुल डागा ने संचालन किया और संयोजक तुषार पुनमिया ने धन्यवाद दिया।

महिलाओं के लिए 'मैं खुद की क्रिएटर हूँ' नामक कार्यक्रम आयोजित

खरतरगच्छ महिला परिषद ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय ख़रतरगच्छ महिला परिषद द्वारा बसवनगुड़ी स्थित विमलनाथ आराधना भवन में महिलाओं के लिए 'मैं खुद की क्रिएटर हूँ' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया। महिला परिषद् की प्रवक्ता चन्द्रकला डाकलिया ने जानकारी देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम आत्मविश्वास और साहस का अनूठा संगम था, इस सत्र की मुख्य वक्ता उद्यमी शीतल भंसाली थीं। भंसाली ने कहा कि आत्मविश्वास, साहस और जीवन के सही उद्देश्य को खोजने की एक अद्भुत यात्रा कराई। उन्होंने कहा कि हर महिला में अपनी तकदीर खुद लिखने की असीम शक्ति होती है, बशर्ते वह अपने भीतर छिपी ऊर्जा और 'क्रिएटर' (सृजक) के रूप को पहचाने। परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, एक महिला में हर चुनौती को अवसर में बदलने की अद्भुत क्षमता होती है।

अध्यक्षा पवनी बाफना ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को जीवन में आगे बढ़ने के लिए कई महत्वपूर्ण गुर सिखाए गए। जिनमें मुख्यतया आत्मविश्वास का जागरण, खुद पर अटूट विश्वास करना और अपनी क्षमताओं को पहचानना, चुनौतियों पर विजय, मुश्किल समय को एक अवसर के रूप में देखना और आगे बढ़ना, स्वयं की राह बनाना, समाज की रूढ़ियों से हटकर अपनी एक नई और स्वतंत्र पहचान गढ़ना, छिपी हुई शक्तियों की पहचान आंतरिक ऊर्जा को जागृत कर जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना रहा। ङ्कमहामंत्री नन्दा बाफना ने कहा कि दुनिया की सबसे सुंदर रचना वही है, जिसे एक महिला स्वयं अपने संघर्षों, सपनों और हौसलों से अपने जीवन में गढ़ती है। पवनी बाफना, उपाध्यक्षा ललिता गुलेच्छा, रेखा लोढ़ा और सुशीला भन्साली ने मुख्य वक्ता का सम्मान किया।

सियाचिन से समुद्र तक सशस्त्र बलों ने मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सशस्त्र बलों ने सियाचिन हिमनद की बर्फीली ऊंचाइयों से लेकर कच्छ के विशाल रण तक और पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से लेकर समुद्र में नौसैनिक पोतों तक रविवार को देशभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया तथा शारीरिक स्वास्थ्य एवं मानसिक दृढ़ता को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शिलांग में योग कार्यक्रम का नेतृत्व किया और भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह तथा अन्य वायु सेना कर्मियों के साथ पूर्वी वायु कमान की ओर से आयोजित योग सत्र में भाग लिया।

सिंह ने योग सत्र का एक वीडियो साझा करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''शिलांग में पूर्वी वायु कमान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहा हूं। मैं सभी से योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आग्रह करता हूं।''

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल एन. एस. राजा सुब्रमणि ने दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय की ओर से आयोजित योग दिवस कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

इस बीच, थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने असम के तेजपुर में सैनिकों के साथ योग दिवस कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''पूर्वी क्षेत्र में सैनिकों के साथ कार्यक्रम में उनकी भागीदारी सभी भूभागों और परिस्थितियों में शारीरिक स्वास्थ्य, दृढ़ता एवं अभियानगत तैयारियों पर सेना के निरंतर जोर को दर्शाती है।'' इस वर्ष 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 'बढ़ती उम्र में योग से रहें निरोग' थीम के तहत मनाया जा रहा है जो सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए योग के महत्व को रेखांकित करता है।

सेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सियाचिन हिमनद की बर्फीली ऊंचाइयों से लेकर दक्षिण में कन्याकुमारी तक और पूर्वोत्तर में अरुणोदय की धरती से लेकर कच्छ के विशाल रण तक, सैनिकों ने विविध एवं चुनौतीपूर्ण भूभागों में योगाभ्यास कर शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक कल्याण और समग्र स्वास्थ्य को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।''

इन कार्यक्रमों में भारतीय सेना के अनुशासन, दृढ़ता और स्वस्थ जीवन के मूल्यों की झलक मिली तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने एवं अभियानगत प्रभावशीलता बढ़ाने में योग की भूमिका रेखांकित हुई।

मध्यप्रदेश: ईडी ने 'फर्जी' सड़क निर्माण बिल मामले में छापेमारी

नई दिल्ली/भाषा। मध्य प्रदेश में सड़क निर्माण कार्यों से जुड़े 'फर्जी बिल' पेश किए जाने के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापे की कार्रवाई के बाद लगभग 23 लाख रुपए नकद जब्त किए गए और करीब तीन करोड़ रुपए की जमा राशि के लेन देन पर रोक लगाई गई। ईडी ने रविवार को यह जानकारी दी। यह छापेमारी 19 जून को रीवा और जबलपुर जिलों में की गई थी। ईडी ने इस मामले में राज्य पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज किया था।

केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि आरोपियों ने मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की परियोजना कार्यान्वयन इकाइयों के अधिकारियों के साथ मिलकर कथित रूप से साजिश रची और 'इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड', भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड सहित अन्य कंपनियों के ''जाली'' और ''गढ़े'' रसीद पेश करके सड़क निर्माण कार्य के लिए सरकार से ''धोखाधड़ी'' के माध्यम से भुगतान प्राप्त किया।

ईडी ने कहा कि ये बिल कुल 55.60 करोड़ रुपए के थे, जिससे सरकारी खजाने को उतनी ही राशि का वित्तीय नुकसान हुआ। एजेंसी ने यह भी बताया कि तेल कंपनियों से संबंधित बिल जाली पाए गए।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद अप्रैल से 14 जून तक निर्यात में 15 प्रतिशत वृद्धि: पीयूष गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से 14 जून तक देश के माल निर्यात में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वाणिज्य मंत्रालय जून माह के निर्यात-आयात संबंधी आधिकारिक आंकड़े 15 जुलाई को जारी करेगा। गोयल ने कहा कि अमेरिका द्वारा 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बावजूद 2025-26 में भारत के निर्यात में मजबूत वृद्धि हुई है।

मुंबई में 'चार्टर्ड अकाउंटेंट्स' के साथ संवाद के दौरान उन्होंने कहा, ''यहां तक अगर हम अप्रैल और मई के पूरे महीनों के साथ ही जून के

14 दिन के उपलब्ध आंकड़ों की बात करें तो इसमें निर्यात में 15 प्रतिशत की वृद्धि रही है।''

मंत्री ने कहा कि मई में भारत का निर्यात 18 प्रतिशत बढ़कर 45.2 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया, जो छह माह का उच्चतम स्तर है। हालांकि, इसी अवधि में व्यापार घाटा बढ़कर 28.21 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

अप्रैल-मई 2026-27 के दौरान देश का निर्यात 16.09 प्रतिशत बढ़कर 88.91 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि आयात 15.14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 145.35 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस अवधि में व्यापार घाटा 56.44 अरब डॉलर दर्ज किया गया।

गोयल ने 'चार्टर्ड अकाउंटेंट्स' से विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''और विकसित भारत की शुरुआत कहां से होती है, इसकी शुरुआत उत्तर मुंबई से होती है। हमें सबसे पहले अपने आसपास के क्षेत्र को बेहतर बनाना होगा।''

मुंबई उत्तर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले गोयल ने बताया कि उन्होंने नगर निगम आयुक्त, जनप्रतिनिधियों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से क्षेत्र में स्वच्छता अभियान शुरू करने का आग्रह किया है।

उत्तराखंड: नगरासू के गुरुद्वारे में हंगामा, सिख श्रद्धालु को बंधक बनाकर छत पर चढ़े निहंग

रुद्रप्रयाग/भाषा। उत्तराखंड में रुदप्रयाग जिले के नगरासू स्थित एक गुरुद्वारे में निहंग सिख श्रद्धालुओं ने जमकर हंगामा किया और एक सिख तीर्थयात्री को बंधक बनाते हुए गुरुद्वारे की छत पर चढ़ गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम से गुरुद्वारे की तीसरी मंजिल करीब छह निहंगों के कब्जे में है और पुलिस एवं प्रशासन उनसे बात कर उन्हें नीचे आने के लिए मनाने के प्रयास कर रहे हैं।

मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है और रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक मौके पर हालात नियंत्रित करने में जुटे हैं। इस बीच, स्थिति को संभालने के लिए गढ़वाल आयुक्त भी रुद्रप्रयाग पहुंच गए हैं। निहंग श्रद्धालु 16 जून को चमोली जिले के कर्णप्रयाग बाजार में एक घटना के बाद गिरफ्तार किये गये निहंगों को छोड़े जाने की मांग कर रहे हैं। एक बुजुर्ग सिख तीर्थयात्री को बंधक बना साथ ले गए निहंगों के पास भाला, तलवार, कुल्हाड़ी और कृपाण जैसे शस्त्र हैं। श्री हेमकुंड साहिब गुरुद्वारे में 16 जून को मत्था टेककर वापस आ रहे कुछ निहंग सिखों का कर्णप्रयाग बाजार में वाहन खड़ा करने को लेकर लोगों से विवाद हो गया था, जिसके बाद उन्होंने कथित रूप से तलवार से हमला कर चार लोगों को घायल कर दिया।

पठानकोट-बैजनाथ मार्ग पर सभी 7 ट्रेनें बहाल करने की मांग, यात्रियों ने रेल मंत्री को लिखा पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एक यात्री संगठन और कांगड़ा घाटी के कई स्थानीय यात्रियों ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से पठानकोट-बैजनाथ मार्ग पर केवल दो जोड़ी ट्रेनों के बजाय सभी सात जोड़ी ट्रेनों को बहाल करने का आग्रह किया है, ताकि दैनिक स्तर पर लोगों की भारी भीड़ और यात्रियों के लिए असुरक्षित यात्रा से उत्पन्न खतरे को कम किया जा सके।

बाढ़ और भूस्खलन के कारण हुए भारी नुकसान के बाद इस ऐतिहासिक 164 किलोमीटर लंबी नैरो-गेज लाइन पर परिचालन लगभग चार साल तक निलंबित रहा था। ट्रेन सेवाएं बंद होने से पहले, इस मार्ग पर सात जोड़ी ट्रेनें चलती थीं, जो पठानकोट और बैजनाथ पपरोला के बीच लगभग 20 कस्बों के दैनिक यात्रियों को महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी प्रदान करती थीं। रेलवे अधिकारियों ने कहा, ''अगस्त 2022 में हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ के कारण चक्की नदी पर ब्रिटिश काल का पुल संख्या 32 बह गया था। इसके अलावा, मानसून के दौरान भूस्खलन से ट्रैक को व्यापक नुकसान हुआ था। सुरक्षा कारणों से यात्री सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित करना पड़ा था। अब, हमने दो ट्रेनों की सेवाएं बहाल कर दी हैं और अन्य ट्रेनों को भी चरणबद्ध तरीके से बहाल किया जाएगा।'' चार साल बाद दो जून को ट्रेन संचालन फिर से शुरू हुआ, जिसमें सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने अन्य नेताओं के साथ दो ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एक दिन बाद, पठानकोट

और नूरपुर के बीच तीसरी ट्रेन की बहाली ने उम्मीदें जगाईं कि शेष चार जोड़ी ट्रेनें भी फिर से शुरू हो जाएंगी। हालांकि, 10 जून को उत्तर रेलवे ने परिचालन बाधाओं और आवश्यक रखरखाव कार्य का हवाला देते हुए तीसरी ट्रेन को रद्द कर दिया। कांगड़ा घाटी रेलवे संघर्ष समिति के अध्यक्ष पी सी विश्वकर्मा ने कहा, ''तब से, जम्मू मंडल के साथ-साथ रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों ने शेष पांच जोड़ी ट्रेनों की सेवाएं बहाल करने के सवाल पर चुप्पी साध रखी है।''

भारत-ईयू व्यापार समझौते पर दिसंबर तक हस्ताक्षर, अगले वर्ष फरवरी-मार्च से लागू होगा: गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को बताया कि भारत और 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर दिसंबर तक हस्ताक्षर किए जाएंगे और इसके अगले वर्ष फरवरी-मार्च के दौरान लागू होने की संभावना है। इस वर्ष 27 जनवरी को भारत और यूरोपीय संघ ने वार्ताओं के समापन की घोषणा की थी।

गोयल ने मुंबई में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के साथ बातचीत के दौरान कहा, अब लगभग शून्य शुल्क के साथ यूरोपीय बाजार का बड़ा हिस्सा भारतीय उत्पादों के लिए खुल जाएगा। भारत-ईयू एफटीए पर दिसंबर तक हस्ताक्षर होंगे और यह फरवरी-मार्च तक प्रभावी हो जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर इस सप्ताह भारत आ रहे हैं, जहां वह उनके साथ व्यापार समझौते पर चर्चा करेंगे। मंत्री ने कहा, पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है।

एफटीए के तहत लगभग 93 प्रतिशत भारतीय निर्यात वस्तुओं को 27 देशों के इस समूह में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलने की संभावना है, जबकि यूरोपीय संघ से आने वाली लक्जरी कारों और वाइन जैसे उत्पाद सस्ते हो सकते हैं।

मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने के पक्ष में कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने की जोरदार वकालत करते हुए रविवार को कहा कि यह कदम मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण (एसआईआर) के तहत विभिन्न राज्यों में 'अत्यधिक संख्या' में मतदाताओं के नाम हटाये जाने या उन्हें जानबूझकर अयोग्य ठहराये जाने के खिलाफ सुरक्षा कवच प्रदान करने में एक सशक्त कदम होगा।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के ''इशारे पर काम कर रहे'' निर्वाचन आयोग के ''घोर पक्षपातपूर्ण कामकाज'' के पूरी तरह उजागर होने के बाद, अब समय आ गया है कि

मतदान के अधिकार को एक मौलिक अधिकार का दर्जा दिया जाए।'' इससे इसे उच्चतम स्तर की न्यायिक समीक्षा और सुरक्षा मिल सकेगी। रमेश ने उल्लेख किया कि बीते शुक्रवार को ही उच्चतम न्यायालय के दो न्यायाधीशों की पीठ ने संविधान के तहत फुटपाथ पर चलने के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित किया है। उन्होंने याद दिलाया कि संविधान सभा ने सरदार पटेल की अध्यक्षता में मौलिक अधिकारों, अल्प संख्यकों और जनजातीय एवं अपवर्जित क्षेत्रों पर सलाहकार समिति का गठन किया था। इक्कीस-22 अप्रैल 1947 को हुई इसकी बैठक में मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने पर तीखी बहस हुई थी, जिसमें डॉ. भीमराव अंबेडकर और बाबू जगजीवन राम ने इसके पक्ष में पुरजोर दलीलें दी थीं। रमेश ने कहा सरदार पटेल, सी. राजगोपालाचारी और कुछ अन्य नेताओं का मानना था कि यदि मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बना दिया गया, तो रियासतें भारतीय संघ में शामिल होने में झिझक सकती हैं, और संविधान में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का प्रावधान करना ही काफी है। उन्होंने कहा, ''सरदार पटेल ने खुद यह रुख अपनाया था कि सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार अपने आप में एक अंतर्निहित मौलिक अधिकार है। यही अनुच्छेद 326 की पृष्ठभूमि है, जो सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनावों का प्रावधान करता है।

रेल व्हील फैक्ट्री ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां यलहंका स्थित रेल व्हील फ़ैक्टरी ने अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके परिवारों और छात्रों की सक्रिय भागीदारी के साथ 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बहुत उत्साह के साथ मनाया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर के आयोजन 'योग संगम' के तहत किया गया, जो इस साल की थीम स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग पर आधारित था। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानमंत्री के उस संबोधन के प्रसारण से हुई, जो कोलकाता के रेड रोड से प्रसारित किया गया था। इस संदेश ने दिन की रूपरेखा तय की और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए रोज़मर्रा की ज़िंदगी में योग को शामिल करने के महत्व पर ज़ोर दिया। रेल पहिया कारखाने में कार्यक्रम का नेतृत्व महाप्रबंधक मनोरंजन प्रधान ने किया, जिन्होंने जीवन के एक समग्र दृष्टिकोण के रूप में योग के महत्व पर ज़ोर दिया। इस कार्यक्रम में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी शुजा महमूद, विभागों के प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी, संयुक्त सचिव और स्टाफ काउंसिल के सदस्य, स्काउट्स एंड गाइड्स, एससी/एसटी और ओबीसी एसोसिएशन के पदाधिकारी तथा विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

तमिलनाडु के राज्यपाल ने 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में हिस्सा लिया

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने रविवार को कोयंबटूर के तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में हिस्सा लिया। तमिलनाडु लोक भवन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह कार्यक्रम स्वस्थ जीवन शैली और समग्र कल्याण के लिए योग के महत्व पर प्रकाश डालता है। इस समारोह की शुरुआत राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' से हुई। इस वर्ष की वैश्विक और राष्ट्रीय थीम बढ़ती उम्र में 'योग से रहें निरोग' है, जो जीवन के सभी चरणों में शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक कल्याण और सक्रिय व सम्मानजनक जीवन को बढ़ावा देने में योग की भूमिका पर प्रकाश डालती है। राज्यपाल ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, कोयंबटूर के तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय में 1,500 से अधिक छात्रों के साथ 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लिया।

हरिप्रसाद ने कांग्रेस अधिवेशन में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का कार्यभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बी के हरिप्रसाद ने रविवार को यहां एक अधिवेशन में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में औपचारिक रूप से कार्यभार संभाल लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने पार्टी का झंडा सौंपकर हरिप्रसाद को औपचारिक रूप से जिम्मेदारी सौंपी। शिवकुमार ने 2020 से अब तक कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला, मंत्री, विधायक और पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए।

विधान परिषद सदस्य हरिप्रसाद (71) को तीन जून को कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्हें यह पद शिवकुमार के कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी पद से इस्तीफा देने के बाद मिला है।

बिल्लव समुदाय से आने वाले अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) नेता हरिप्रसाद हाल ही में कर्नाटक विधान परिषद के लिए पुनः निर्वाचित हुए हैं। वह इससे पहले राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं और हरियाणा सहित कई राज्यों में कांग्रेस प्रभारी के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी ने इस कार्यक्रम को आगामी चुनाव के लिए प्रचार अभियान की शुरुआत के रूप में प्रस्तुत किया, जिसमें ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण (जीबीए) के तहत आने वाले पांच नगर निगम, जिला और तालुक पंचायतों के चुनाव से लेकर 2028 का विधानसभा चुनाव शामिल है।

योग तनाव दूर करने की दवा है : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आज के मॉडर्न ज़माने में हम सब प्रेशर में हैं। योग इसकी दवा है, विधायक और राज्य भाजपाअध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा। वे आज मल्लेश्वरम में भाजपा राज्य ऑफिस जगन्नाथ भवन के सामने आयोजित 12वें योग दिवस कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस बार वर्ल्ड योग दिवस 'योग फॉर हार्मनी एंड पीस' थीम के तहत मनाया जा रहा है। दुनिया में युद्ध की वजह से हम सब बहुत परेशानी झेल रहे हैं। इसका मुख्य कारण भरोसे की कमी है। उन्होंने कहा कि योग के ज़रिए इस भरोसे को बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि मोदी जी ने कहा कि योग दुनिया में शांति और तालमेल बनाए रख सकता है। भारत ने पूरी दुनिया को योग का योगदान दिया है। 21 जून 2014 को वर्ल्ड ऑर्गनाइज़ेशन ने भी योग को माना और इसे वर्ल्ड योग दिवस घोषित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोशिशें वर्ल्ड योग दिवस को सच करने के लिए काफी हैं। आज हर कोई प्रेशर में है। स्टूडेंट्स हों, पॉलिटिशियन हों। हर किसी पर काम का प्रेशर होता है। योग इस प्रेशर के बीच शांति से काम करने में मदद करता है। मेंटल बैलेंस बनाए रखने के लिए योग ज़रूरी है। अगर फिजिकल हेल्थ के साथ मेंटल हेल्थ भी हो, तो भविष्य अच्छा होगा। अगर हमारा भविष्य अच्छा होगा, तो देश का भविष्य भी अच्छा होगा। अगर देश का भविष्य अच्छा होगा, तो दुनिया का भविष्य भी अच्छा होगा।

चुनावों में क्रॉस वोटिंग के बाद भाजपा धर्मस्थल में विधायक दल की बैठक करेगी

बेंगलूरु। कर्नाटक में पिछले हफ़्ते विधान पार्षद (एमएलसी) चुनावों के दौरान पार्टी के कुछ विधायकों की क्रॉस-वोटिंग को धोखा बताते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि इस मामले को तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि तथ्यों का पता लगाने और जवाबदेही तय करने के लिए जल्द ही धर्मस्थल में विधायक दल की बैठक बुलाई जाएगी। उन्होंने संकेत दिया कि भाजपा विधायकों से वहां भगवान मंजुनाथ (शिव) के सामने 'प्रमाण' (शपथ/संकल्प) लेने और सच बोलने के लिए कहा जाएगा। दक्षिण कन्नड़ जिले में नेत्रावती नदी के किनारे स्थित धर्मस्थल का इतिहास 800 साल पुराना है। मान्यता है कि जो कोई भी भगवान मंजुनाथ के सामने झूठ बोलता है, उसे गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते हैं। विजयेंद्र ने कहा, हालिया विधान परिषद चुनावों में भाजपा विधायकों द्वारा किए गए कम से कम चार क्रॉस-वोट को लेकर मीडिया, प्रेस और सोशल मीडिया में काफी चर्चा हो रही है। हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हमारे विधायकों के व्यवहार पर नाराजगी जताई है। इस घटनाक्रम ने एक तरह से भाजपा के 63 विधायकों को शक के घेरे में ला दिया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य पार्टी अध्यक्ष के तौर पर इस घटनाक्रम से उन्हें निराशा हुई है।

उन्होंने कहा, शायद आपको यकीन न हो-मैं आज सुबह 3 बजे उठा क्योंकि मैं इस मामले को तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाना चाहता था। मैंने कल सुबह सात बजे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष (नितिन नवीन) को फोन किया और उन्होंने इस बारे में स्पष्टीकरण मांगा। मैंने उनसे कहा कि मैं दिल्ली आकर जानकारी दूंगा। आर. अशोक (विधानसभा में विपक्ष के नेता) और मैं वहां जाएंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने बताया कि 'क्रॉस-वोटिंग' की घटना की जांच के लिए पार्टी नेताओं सी.टी. रवि, महेश तेंगिनाकाई और एन. महेश की एक तथ्यान्वेषी समिति बनाई गई है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

बेंगलूरु के दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु डिवीजन ने रविवार को अंतर्राष्ट्रीय योगदिवस मनाया। एम.जी. कॉलोनी स्थित रेलवे ग्राउंड में सामूहिक योग प्रदर्शन सत्र में रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर बोलते हुए, बेंगलूरु डिवीज़न के डिवीज़नल रेलवे मैनेजर आशुतोष कुमार सिंह ने दैनिक जीवन में योग के महत्व पर प्रकाश डाला। योग सत्र का संचालन 'आर्ट ऑफ़ लिविंग' के योग प्रशिक्षक किशोर और उनकी टीम के मार्गदर्शन में किया गया। प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन, सूर्य नमस्कार और प्राणायाम किए। सत्र के दौरान राष्ट्रीय स्तर के योग प्रशिक्षक श्री ऋतिक ने भी विभिन्न योगासनों का प्रदर्शन किया। इस मौके पर अनेक वरिष्ठ अधिकारियों और दपरे महिला कल्याण संगठन के पदाधिकारी सहित के साथ डिवीजन के कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

आइए रोज़ योग करें : डॉ. अश्वथ नारायण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण ने कहा, आइए हम सब स्ट्रेस दूर करने के लिए रोज़ योग करें। अपनी ज़िंदगी को बेहतर बनाने के लिए, बेहतर ज़िंदगी जीने के लिए, हमें रोज़ योग करना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के तौर पर, हम समाज में सुधार लाने के लिए काम कर रहे हैं। योग हर किसी की ज़िंदगी को बेहतर बनाने में मदद करता है। योग करने के लिए सिर्फ़ मन और इरादा ही काफ़ी है। उन्होंने कहा कि योग हर किसी की

पर्सनैलिटी को बनाने में अहम रोल निभाएगा। कन्नड़ फ़िल्म एक्ट्रेस सुश्री करुण्या गौड़ा ने बात की और कहा कि योग दुनिया को हमारे देश का योगदान है।

अगर आप रोज़ सिर्फ़ 20 मिनट योग करते हैं, तो आपकी सेहत बेहतर होगी। कुछ आसन घर पर भी किए जा सकते हैं। आज आपको छोटी-मोटी हेल्थ प्रॉब्लम के लिए हॉस्पिटल जाना पड़ता है। अगर आप आज योग करते हैं, तो आप भविष्य में हेल्दी रहेंगे। उन्होंने कहा कि योग को रोज़ की आदत बना लें।

'दैट्स इट' फेम के डॉ. ना. सोमेश्वर ने बात की और कहा कि योग के कई फ़ायदे हैं। उन्होंने कहा कि ये साइंटिफिक रूप से साबित हो चुके हैं। योग गुरु मंजूनाथ और गीता मंजूनाथ ने योग प्रैक्टिस सिखाई। बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा और पार्टी के पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

गारंटी स्कीम बंद नहीं करूंगा : शिवकुमार

अपने पक्ष में नारे लगाने वालों को लताड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, आने वाले दिनों में हर पंचायत और वार्ड लेवल पर पांच सदस्यों वाली गारंटी कमिटी बनाई जाएगी। इस कमिटी के सदस्य गारंटी पाने वालों के रिकॉर्ड का रिव्यू करें। रविवार को पैलेस ग्राउंड्स में हुए संकल्प समावेश में शिवकुमार ने केपीसीसी के अध्यक्ष का पद बीके हरिप्रसाद को सौंपा और बात की। मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने झंडा सौंपकर नए अध्यक्ष बी के हरिप्रसाद को सत्ता सौंपी। उन्होंने कहा, पिछले छह सालों में, मेरे कई साथी पार्टी पदाधिकारियों ने कड़ी मेहनत की है, और सभी विधायकों- और नेताओं ने अपना समय, दिमाग और पैसा लगाकर मुझे ताकत दी है। इतने लोगों को मजबूत बनाना मुमकिन नहीं था। हमने गारंटी स्कीम के लिए एक कमेटी बनाई है और हजारों कार्यकर्ताओं को मजबूत बनाया है। मेरे सीनियर्स और मैंने पंचायत और वार्ड लेवल पर कमेटी बनाने पर बात की है। इस

कमेटी में सभी वर्गों को बराबर रखा जाएगा। उन्होंने कहा, हर वार्ड और पंचायत में पांच लोगों की एक गारंटी कमेटी बनाई जाएगी, 7,000 पंचायतें और 4,000 वार्ड। आप खुद सोचिए कि हम इसके ज़रिए कितने नेता तैयार कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी इस बात के लिए कमिटेड है कि एक नेता को लीडर बनाना चाहिए, फॉलोअर्स नहीं।

अगर मैं चीफ मिनिस्टर भी बन गया, तो भी मैं एक एक्टिविस्ट के तौर पर काम करूंगा पूरी सरकार और पार्टी हरिप्रसाद के साथ होगी। उन्होंने कहा कि अगर मैं मुख्यमंत्री भी बन गया, तो भी मैं आपके साथ एक एक्टिविस्ट के तौर पर काम करूंगा। हम सबने 2028 में कांग्रेस को वापस सत्ता में लाने और 2029 में राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प लिया है। भाजपा यह कहकर हाथ मल रही है कि हमें वह मौका नहीं मिला जो सिद्दरामय्या और डी.के. शिवकुमार को मिला। आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आपकी अपनी सरकार 2028 और 2029 में भी सत्ता में आएगी। इस अवसर पर, एआईसीसी अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरगे, महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, तत्काल पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, पूर्व मुख्यमंत्री वीरप्पा मोइली, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष जीसी चंद्रशेखर, मंजूनाथ भंडारी, तनवीर सेठ, वसंत कुमार, मंत्री केएच मुनियप्पा, केजे जॉर्ज, रामलिंगा रेड्डी, एमबी पाटिल, ईश्वर खंड्रे, सतीश जारकीहोली, प्रियांक खरगे, कृष्ण बायरे गौड़ा, केपीसीसी के पूर्व अध्यक्ष अल्लम वीरभद्रप्पा, आरवी देशपांडे, पूर्व मंत्री, एआईसीसी सचिव, सांसद, विधायक, अग्रिम पंक्ति इकाइयों के अध्यक्ष, केपीसीसी पदाधिकारी और अन्य उपस्थित थे।

जीबीआईटी परियोजना के विरोध में जद (एस) की पदयात्रा

भूमि अधिग्रहण का किसानों ने विरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल (सेक्युलर) ने रविवार को बिड़दी के निकट प्रस्तावित ग्रेटर बेंगलूरु इंटीग्रेटेड टाउनशिप (जीबीआईटी) परियोजना और इसके लिए किए जा रहे भूमि अधिग्रहण के विरोध में पदयात्रा निकाली। इस परियोजना का क्षेत्र के कुछ किसानों और ग्रामीणों द्वारा लगातार विरोध किया जा रहा है। ''नम्मा भूमि, नम्मा हक्कु'' (हमारी जमीन, हमारा अधिकार) के नारे के साथ निकाली गई इस पदयात्रा का नेतृत्व जद (एस) के युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने किया। यह यात्रा अंचीपुरा गांव से शुरू होकर आठ गांवों से गुजरते हुए होसूर तक जाएगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, पदयात्रा में बड़ी संख्या में किसान, ग्रामीण, जद (एस) के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। यह यात्रा अंचीपुरा कॉलोनी, बन्निगिरि, मारेवेगौदानादोड्डी, गुंडुतोपु, गोल्लाहल्ली, कोडिपाल्या होते हुए होसूर पहुंचेगी।

किसानों और ग्रामीणों के एक वर्ग के विरोध के बावजूद हाल ही में रामनगर और हारोहल्ली तालुकों के तीन गांवों में 499 एकड़ जमीन के अधिग्रहण के लिए अंतिम अधिसूचना जारी की गई है। यह मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है, जिसे भारत की पहली कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) संचालित ''एकीकृत टाउनशिप'' के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, यह परियोजना क्षेत्र के नौ गांवों में कुल 7,481 एकड़ भूमि में विकसित की जानी प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि हाल में जारी अधिसूचना आगामी दिनों में जारी होने वाली भूमि अधिग्रहण संबंधी अधिसूचनाओं की शृंखला की पहली कड़ी हो सकती है। खबरों के अनुसार, ग्रेटर बेंगलूरु विकास प्राधिकरण ने प्रस्तावित टाउनशिप के लिए मास्टर प्लान, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने और परियोजना प्रबंधन सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु सलाहकार नियुक्त करने के लिए 26 करोड़ रुपये का निविदा आमंत्रण जारी किया है।

निखिल कुमारस्वामी ने 11 किलोमीटर लंबी पदयात्रा शुरू होने से पहले सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक गणना से प्रेरित नहीं, बल्कि किसानों की आजीविका की रक्षा करने की जिम्मेदारी से प्रेरित है। उन्होंने कहा, ''जद (एस) का किसानों के प्रति समर्थन केवल भाषणों तक सीमित नहीं है। इसका मतलब है कि उनके साथ जमीन पर मजबूती से खड़ा रहना। एक दिन की पदयात्रा से कुछ हासिल नहीं होगा, यह तो सिर्फ शुरुआत है।'' जद (एस) नेता ने दावा किया कि 95 प्रतिशत किसान अपनी जमीन परियोजना के लिए देने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि न तो अधिकारियों और न ही क्षेत्र के निर्वाचित प्रतिनिधियों ने किसानों से मिलकर उनकी राय जानी है और न ही भूमि अधिग्रहण की स्थिति में उनकी आजीविका को लेकर कोई आश्वासन दिया है।

कुमारस्वामी ने कहा कि किसानों और ग्रामीणों के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश की जा रही है और उनसे अपील की कि वे प्रस्तावित परियोजना के लिए जमीन न देने के अपने संकल्प पर एकजुट रहें।

लगातार विरोध प्रदर्शनों के बीच सरकार ने उन किसानों को मुआवजा देना शुरू कर दिया है, जिन्होंने परियोजना के लिए अपनी जमीन देने पर सहमति जताई है। सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार शाम केम्पेयाहनापाल्या गांव के सात किसानों को मुआवजे के पहले चेक सौंपे गए।

कार्यकर्ता मूल मूल्यों और विचारधारा से समझौता न करें : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पार्टी के मूल मूल्यों और विचारधारा से समझौता किए बिना पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि लालकृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा के बाद अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए दान और सामग्री एकत्र की गई थी, लेकिन उसका कोई उचित हिसाब नहीं दिया गया। खरगे ने दावा किया कि अब मंदिर से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं की खबरें आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''ऐसी खबरें हैं कि लगभग 5,000 करोड़ रुपये का दुरुपयोग किया गया है। पुजारी पैसे लूट रहे हैं। राम नाम जपना, पराया माल अपना। राम के नाम पर लूट हुई है। मंदिर का निर्माण करोड़ों रुपये लूटने के

लिए किया गया।''

खरगे ने कहा कि ''आम तौर पर मंदिरों का उद्घाटन स्वामीजी और साधु-संत करते हैं, लेकिन राम मंदिर का उद्घाटन खुद प्रधानमंत्री मोदी ने किया था। उन्होंने कहा, मंदिरों के दान-पात्रों का पैसा कहीं और जा रहा है। इसके पीछे उनके अपने लोग हैं या कोई और, इसकी जांच होनी चाहिए।'' राम मंदिर में वित्तीय अनियमितता और दान राशि के गायब होने के आरोपों की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 15 दिन का समय दिए जाने और तब तक जनता से इंतजार करने की अपील करने पर प्रतिक्रिया देते हुए खरगे ने कहा, जब भगवान आपके साथ हैं, मंदिर आपके साथ है, मोदी आपके साथ हैं और आप मुख्यमंत्री हैं, तो आपको 15 दिन की ज़रूरत क्यों है? राम के नाम पर लूट करने वालों को जेल में डालिए।

उन्होंने कहा, ''लोगों ने भगवान, राम मंदिर और धर्म के नाम पर वोट दिया। लेकिन क्या ये लोग धर्म की रक्षा कर रहे हैं? धर्म के नाम पर लूट हो रही है और धर्म के नाम पर गरीबों का शोषण हो रहा है।'' नीट परीक्षा के आयोजन से जुड़े विवादों का जिक्र करते हुए खरगे ने आरोप लगाया कि कुप्रबंधन ने इस प्रक्रिया की विश्वसनीयता को कमजोर किया है और उन्होंने प्रधान के इस्तीफे की राहुल गांधी की मांग को दोहराया। उन्होंने कहा, ''वे ठीक से परीक्षा आयोजित करने में असमर्थ हैं।

योग दिवस

बेंगलूरु स्थित राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल (आरएमएस) ने रविवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को अत्यंत उत्साह के साथ मनाया और परिसर में स्वास्थ्य, सद्भाव और समग्र कल्याण को बढ़ावा दिया। कार्यक्रम की शुरुआत औपचारिक स्वागत भाषण और अतिथि योग प्रशिक्षक अबिनया रमेश कुमार के परिचय से हुई। अपने भाषण में उन्होंने इस दिन के इतिहास और महत्व के बारे में बताया और यह भी स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिए गए प्रस्ताव के बाद 2015 में इस वैश्विक पहल की शुरुआत कैसे हुई। उद्घाटन भाषण के बाद सामूहिक सत्र शुरू हुआ। शिक्षण स्टाफ, गैर-शिक्षण स्टाफ और उनके परिवारों सहित भारी संख्या में उपस्थित लोगों ने पूरे मन से भाग लिया और विशेषज्ञ मार्गदर्शन में कई आसन, प्राणायाम (श्वास व्यायाम) और ध्यान तकनीकों का अभ्यास किया।

योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को सिरोही जिले के आबू रोड स्थित नक्की झील के निकट आयोजित सामूहिक योग कार्यक्रम में भाग लिया और लोगों से योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने सैकड़ों प्रतिभागियों के साथ विभिन्न योगासन और प्राणायाम किए। उन्होंने योग सत्र के बाद उपस्थित लोगों को स्वस्थ एवं फिट रहने तथा राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की शपथ दिलाई। शर्मा ने कहा कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'बढ़ती उम्र में योग से रहें निरोग' है। उन्होंने कहा कि योग केवल युवाओं के लिए ही नहीं बल्कि बढ़ती उम्र के लोगों को भी शारीरिक रूप से सक्रिय, मानसिक रूप से संतुलित और भावनात्मक रूप से सशक्त बनाए रखने का प्रभावी माध्यम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने की भारत की प्राचीन पद्धति है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया ने योग के महत्व को स्वीकार किया है और इसका नियमित अभ्यास तनाव कम करने के साथ स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा, भारत की योग परंपरा विश्व को नई दिशा दिखा रही है। योग 'निरोगी काया' और स्वस्थ मन प्राप्त करने का माध्यम है। इसके लिए किसी विशेष संसाधन की आवश्यकता नहीं होती और इसे हर व्यक्ति अपना सकता है। शर्मा ने कहा कि योग केवल एक दिन का आयोजन बनकर नहीं रहना चाहिए बल्कि इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा, स्वस्थ परिवार से स्वस्थ समाज का निर्माण होता है और स्वस्थ समाज ही विकसित राष्ट्र की नींव रखता है। उन्होंने लोगों से योग को नियमित आदत के रूप में अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, कई सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस बीच, जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में योग साधकों, विभिन्न विभागों के कर्मचारियों, पुलिसकर्मियों, होमगार्ड जवानों, एनसीसी कैडेटों, विद्यार्थियों और आमजन ने भाग लेकर योगाभ्यास किया।

कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, जयपुर शहर की सांसद मंजू शर्मा, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा तथा जयपुर की निवर्तमान महापौर सौम्या गुर्जर मौजूद रहीं। जोधपुर में सम्राट अशोक उद्यान में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में शिक्षा एवं जिला प्रभारी मंत्री मदन दिलावर, कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, सांसदों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भाग लिया। वहीं भीलवाड़ा और बीकानेर सहित राज्य के विभिन्न जिलों में भी योग दिवस पर सामूहिक योग सत्र आयोजित किए गए। बीकानेर में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने योगाभ्यास किया और लोगों से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

जलाशय में डूबने से मां-बेटे की मौत

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले के सदर थाना क्षेत्र के बानो की बेरी दूध गांव में रविवार सुबह जलाशय (डिग्गी) में डूबने से मां-बेटे की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। सदर थानाधिकारी करतार सिंह ने बताया कि जियो देवी (30), अपने सात वर्षीय बेटे हितेश के साथ मायके आई हुई थी और रविवार सुबह दोनों घर के पास बने जलाशय के किनारे सेल्फी ले रहे थे। उन्होंने बताया कि जियो देवी जब अकेले सेल्फी लेने के लिए बेटे को नीचे उतार रही थी कि तभी हितेश का पैर फिसल गया और वह जलाशय में जा गिरा।

अधिकारी ने बताया कि बेटे को बचाने के लिए जियो देवी भी जलाशय में कूद गई। पुलिस के अनुसार, आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दोनों को बचाने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची तथा जेसीबी की मदद से जलाशय की दीवार तोड़कर पानी निकाला गया। पुलिस के मुताबिक, करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद दोनों के शव बाहर निकाले गए।

थानाधिकारी ने बताया कि दोनों शवों को धोरीमन्ना अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया गया है और ससुराल पक्ष को घटना की सूचना दे दी गई है। मृतका के भाई जालाराम ने बताया कि जियो देवी की शादी वर्ष 2015 में कितनोरिया निवासी गोसाईराम के साथ हुई थी और वह अपने सात वर्षीय बेटे हितेश के साथ तीन दिन पहले ही मायके आई थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किए मां अम्बाजी शक्ति पीठ के दर्शन

बनासकांठा (गुजरात) /जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को गुजरात के बनासकांठा स्थित अम्बाजी शक्ति पीठ में दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर देश एवं प्रदेश की खुशहाली, सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर शक्तिपीठ प्रबंधन की ओर से मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए मां अम्बे की प्रतिमा भेंट की गई। कार्यक्रम के दौरान पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, सांसद मदन राठौड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

'योग भी वोट भी' कार्यक्रम के तहत आमजन को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/बाड़मेर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को आदर्श स्टेडियम में जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन की सहभागिता के साथ योगाभ्यास के जरिए स्वस्थ जीवन जीने का संदेश दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को जिला मुख्यालय से सरहद तक योगाभ्यास कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

बारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आदर्श स्टेडियम में पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, प्रभारी सचिव रोहित गुप्ता, जिला कलक्टर चिन्मयी गोपाल, पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट, अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतेश आर्य समेत विभिन्न जन प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं आमजन की उपस्थिति में योगाभ्यास किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण किया गया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में सामूहिक योगाभ्यास कराया गया। इस दौरान जन प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं कार्मिकों तथा आमजन ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए करीब एक घंटे तक योग के विभिन्न आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। प्रभारी सचिव रोहित गुप्ता ने आमजन को योग को अपनी नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाने एवं नगर परिषद के तत्वावधान में स्वच्छ भारत अभियान में आमजन की सक्रिय भागीदारी संबंधित शपथ दिलाई। इस अवसर पर यूआईटी सचिव विवेक व्यास, आयुर्वेद विभाग के उप निदेशक रमेश धनदे, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णसिंह महेचा, कोषाधिकारी जसराज चौहान, जिला शिक्षा अधिकारी देवाराम चौधरी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विष्णुराम विश्नोई, प्रमुख चिकित्साधिकारी डॉ. हनुमानराम चौधरी समेत विभिन्न जन प्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक, बीएसएफ, पुलिस, आरएसी के जवान, एनसीसी कैडेटस, विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। इधर, पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योगाभ्यास का आयोजन हुआ।

स्वच्छता युक्त, अतिक्रमण मुक्त रहें आबूराज 'विकास भी, विरासत भी' के मूल मंत्र के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आबूराज/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आबूराज के पर्यटन, आध्यात्मिक एवं पर्यावरणीय विशिष्टताओं के अनुरूप सर्वांगीण विकास का ब्लूप्रिंट तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने विकास कार्यों को परस्पर समन्वय के साथ समयबद्ध रूप से पूरा करने के साथ ही संभागीय आयुक्त एवं मुख्य सचिव को निरंतर मॉनिटरिंग के लिए निर्देशित भी किया। मुख्यमंत्री रविवार को आबूराज में आबूपर्वत विकास समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आबूराज में शहरी विकास, सड़क, पार्किंग, आवागमन के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जाएं, ताकि अधिक से अधिक पर्यटकों का आगमन हो। उन्होंने अधिकारियों को नक्की झील के सौंदर्यकरण, प्रकाश व्यवस्था, रंग रोगन, सीढ़ियों की मरम्मत, सीवरेज सहित विभिन्न विकास कार्यों के संबंध में विशेष रूप से निर्देशित किया।

उन्होंने कहा कि आबूराज ऋषि-मुनियों की भूमि रही है। यहां धार्मिक पर्यटन को नई गति प्रदान करने के लिए मंदिरों का सूचीकरण किया जाए। मुख्यमंत्री ने आबूराज को क्लीन एवं ग्रीन सिटी के रूप में विकसित करने पर विशेष जोर देते हुए इसे स्वच्छता युक्त एवं अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने के संबंध में निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि आबूराज की सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय विशिष्टता को संरक्षित रखते हुए टोकन कार्य में ऑनलाइन प्रणाली को पूर्ण पारदर्शिता के साथ लागू किया जाए और निर्माण सामग्री के आवागमन पर निगरानी रखी जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आबूराज में 'विकास भी, विरासत भी' के मूल मंत्र पर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विवेकानंद पार्क का सौंदर्यकरण, गुरु शिखर का सौंदर्यकरण एवं सुदृढ़ीकरण, अर्बुदा माता मंदिर एवं दत्तात्रेय मंदिर के विकास कार्यों, ईवी व्हीकल को बढ़ावा देने और भारत माता नमन स्थल को नमो उद्यान के रूप में विकसित करने सहित विभिन्न विकास कार्यों से आबूराज इको फ्रेंडली, क्लीन-ग्रीन एवं स्पिरिचुअल बन सकेगा। इन सभी सहित विभिन्न 100 करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों पर उन्होंने दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस दौरान उन्होंने पूर्व बैठकों में दिए गए निर्देशों की प्रगति की भी समीक्षा करते हुए कहा कि आबू पर्वत विकास समिति की नियमित बैठक आयोजित की जाएगी।

बैठक में पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटा राम देवासी, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री केके विश्नोई, सांसद मदन राठौड़, लुंबाराम चौधरी, विधायक समाराम, मुख्य सचिव वी श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन एवं पर्यावरण आनंद कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव, नगरीय विकास आलोक गुप्ता, स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन, पर्यटन विभाग की शासन सचिव शुचि त्यागी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। वहीं, संबंधित मंत्रीगण एवं विभागीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े। इससे पहले मुख्यमंत्री ने यहां विकास कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और अर्जुन राम मेघवाल ने किया योगाभ्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/बीकानेर। 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार सुबह डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में जिला स्तरीय मुख्य समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय रेल एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सामूहिक योगाभ्यास कर आमजन को योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा,बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास, कोलायत विधायक अंशुमान सिंह, डूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत, श्रीमती सुमन छाजेड़, श्याम पंचारिया, उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ, जिला प्रभारी सचिव हेमंत कुमार गेरा, आईजी ओमप्रकाश,जिला कलेक्टर निशांत जैन, एसपी मृदुल कच्छावा,रेलवे डीआरएम गौरव गोविल, नगर निगम कमिश्नर सिद्धार्थ पलानीचामी, एडीएम प्रशासन उम्मेद सिंह रतनू, एसडीएम (आईएएस) सुमहिमा कसाना, बीडीए उपायुक्त कुणाल राहड़, निगम उपायुक्त श्रीमती दमयंती, कोषाधिकारी धीरज जोशी, श्याम सिंह हाडलां, सत्यप्रकाश आचार्य, विजय आचार्य, चंपालाल गेदर, अशोक प्रजापत, तोला राम कूकना, संतोषानन्द, आयुर्वेद विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ राधेश्याम, सहायक निदेशक डॉ जितेन्द्र सिंह भाटी, डॉ इरशाद रफीक, जिला खेल अधिकारी सुरेन्द्र हर्ष समेत अन्य विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए योग को जन जन तक पहुंचाने व योग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

केंद्रीय मंत्रियों ने कहा कि योग भारत की प्राचीन और अमूल्य धरोहर है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को मजबूती मिलती है तथा व्यक्ति तनावमुक्त और स्वस्थ जीवन जी सकता है। केंद्रीय रेल एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने योग संकल्प करवाया। कार्यक्रम में विभिन्न योग आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में करवाया गया। हजारों की संख्या में विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए योग किया।

कार्यक्रम के दौरान योग दिवस की थीम के अनुरूप सामूहिक योगाभ्यास, प्राणायाम एवं ध्यान सत्र आयोजित किए गए। आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक और योग कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ पवन पारीक ने बताया कि जिला स्तरीय आयोजन में कुल 6 हजार 402 लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के आखिर में आयुर्वेद विभाग के सहायक निदेशक डॉ रिड़मल सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मंच संचालन शिक्षा विभाग में सहायक निदेशक गोमाराम जीनगर ने किया। आयोजन के सफल संचालन में जिला प्रशासन, आयुर्वेद विभाग, शिक्षा विभाग तथा विभिन्न सहयोगी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

योगाभ्यासियों ने स्वस्थ जीवन का लिया संकल्प

जयपुर/सवाई माधोपुर,। जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार के आयुर्वेद विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को सवाई माधोपुर के पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में जिला स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा मुख्य अतिथि तथा राज्य स्तरीय सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान पतंजलि के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण किया गया। जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम में निर्धारित सामान्य योग प्रोटोकॉल के तहत योग प्रशिक्षक रजत भारद्वाज एवं डॉ. पूजा द्वारा विभिन्न योग क्रियाएं करवाई गई। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर है, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से वैश्विक पहचान मिली है।

केंद्रीय रेल मंत्री ने बीकानेर-साबरमती स्पेशल रेल को दिखाई हरी झंडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर रेलवे स्टेशन से बीकानेर (लालगढ़)-अहमदाबाद (साबरमती) विशेष रेल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वैष्णव ने इस अवसर पर कहा कि बीकानेर क्षेत्र की जनता को लंबे समय से बेहतर रेल संपर्क की आवश्यकता थी, जिसे इस नई रेल सेवा के माध्यम से पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि यह नई रेल सेवा बीकानेर और आसपास के क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा यात्रियों को बेहतर व सुविधाजनक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराएगी। रेल मंत्री ने कहा कि बेहतर रेल संपर्क से स्थानीय व्यापार, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा विभिन्न शहरों के बीच आवागमन अधिक सुगम व सुविधाजनक होगा।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में राजस्थान में 76,800 करोड़ रुपये से अधिक के रेलवे विकास कार्य प्रगति पर हैं। अमृत स्टेशन योजना के तहत देशभर में 1,300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। बीकानेर, लालगढ़, नोखा, सादुलपुर, चूरू और रतनगढ़ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य भी तेजी से जारी है। रेल मंत्री ने राजस्थान में जारी स्टेशन पुनर्विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि जयपुर और जैसलमेर रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास स्थानीय कला एवं संस्कृति के अनुरूप किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में नई रेल लाइन, दोहरीकरण और गेज परिवर्तन की परियोजनाएं प्रगति पर हैं। वैष्णव ने कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से अधिक रेल सेवाओं का संचालन संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि साथ ही उद्योग और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए गति शक्ति कार्गो टर्मिनल का निर्माण किया जा रहा है। वैष्णव ने बताया कि हाल के समय

में राजस्थान के लिए कई नई ट्रेनों की शुरुआत की गई है, जिनमें बीकानेर, जोधपुर, अजमेर और जयपुर से संचालित वंदे भारत, अमृत भारत और विभिन्न एक्सप्रेस रेल सेवाएं शामिल हैं।

उन्होंने बीकानेर से चंडीगढ़ के लिए नई ट्रेन शुरू करने के प्रस्ताव पर अधिकारियों को निर्देश दिए। रेल मंत्री ने कहा, बीकानेर से चंडीगढ़ के लिए रूट तय करके बताएं, ताकि इसे जल्द से जल्द शुरू किया जा सके। उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्र में रेल लाइन निर्माण कार्य को पूरी जिम्मेदारी के साथ लिया गया है और इसे चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा।

वैष्णव ने कहा, बुलेट ट्रेन परियोजना 2027 में शुरू होगी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के समय राजस्थान में रेलवे विकास के लिए 682 करोड़ रुपये का बजट मिलता था, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बढ़ाकर 10,228 करोड़ रुपये कर दिया है और इस बजट से राजस्थान में कई विकास कार्य हो रहे हैं। रेल मंत्री ने कहा कि राजस्थान में 76,800 करोड़ रुपये के रेलवे कार्य चल रहे हैं, 85 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है और 24 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल बनाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा कई नई रेल लाइनों का निर्माण भी किया जा रहा है। वैष्णव ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का नाम लिए बिना कहा, ''जादूगरों को जादू करने दो, हम अपना काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राजनीति के बजाय विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर रही है और जनता से किए गए वादों को पूरा कर रही है। केंद्रीय कानून एवं न्याय तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रेल मंत्री का बीकानेर आगमन पर आभार व्यक्त किया।

उन्होंने बीकानेर के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित स्टेशन महोत्सव का उल्लेख किया और वंदे भारत रेल सेवा के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के अलावा उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ, मंडल रेल प्रबंधक बीकानेर गौरव गोविल, रेलवे अधिकारी और अन्य लोग मौजूद रहे। रेल अधिकारियों ने बताया कि बीकानेर (लालगढ़)-अहमदाबाद (साबरमती) एक्सप्रेस से अहमदाबाद, मेहसाणा, पाटन और बनासकांठा जिलों के साथ-साथ राजस्थान के जालोर, बालोतरा, जोधपुर, नागौर और बीकानेर जिलों के यात्रियों को लाभ मिलेगा।

बिहार में मुख्यमंत्री ने योग दिवस समारोह का नेतृत्व किया, कहा- पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा योग

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को कहा कि लोगों के बीच योग को बढ़ावा देने के लिए अगले वर्ष से बिहार के स्कूलों और कॉलेजों के पाठ्यक्रम में योग को शामिल किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को बिहार के विभिन्न हिस्सों में सामूहिक योग सत्र आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री ने पटना के कंकड़बाग स्थित पाटलिपुत्र खेल परिसर में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में हिस्सा लिया और योग को दुनिया के लिए भारत का अमूल्य उपहार बताया। इस योग शिविर में निशांत कुमार सहित कई राज्य मंत्रियों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने भी भाग लिया।

चौधरी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''बिहार के स्कूलों और कॉलेजों की शिक्षा व्यवस्था में शारीरिक प्रशिक्षण पहले से ही शामिल है।'' उन्होंने कहा, ''योग को हर घर तक पहुंचाने के लिए अगले वर्ष से बिहार के सभी स्कूलों और कॉलेजों के पाठ्यक्रम में इसे शामिल किया जाएगा, ताकि लोग अधिक स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकें। योग स्वस्थ और समृद्ध भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि योग भारत की प्राचीन और अमूल्य धरोहर है, जो स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन का आधार है। चौधरी ने कहा कि मुंगेर योग का एक प्रमुख केंद्र है, जहां दुनिया भर से लोग प्रशिक्षण प्राप्त करने आते हैं और योग के वैश्विक प्रसार में योगदान देते हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आइए, संकल्प लें कि योग को प्रत्येक व्यक्ति की जीवनशैली का हिस्सा बनाएं और स्वस्थ, समृद्ध तथा विकसित बिहार के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।''

गोरखपुर में नौ माह की बच्ची से बलात्कार के आरोप में पकड़ा गया 12 साल का लड़का

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। गोरखपुर जिले के गुलरिहा क्षेत्र में पुलिस ने नौ माह की बच्ची से बलात्कार के आरोप में 12 साल के एक लड़के को हिरासत में लिया है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि गुलरिहा थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई इस घटना में बच्ची शुक्रवार की रात अपनी मां के पास सो रही थी, तभी रात करीब दो बजे वह संदिग्ध हालात में गायब हो गयी। उन्होंने बताया कि परिजन ने बच्ची की तलाश शुरू की और शनिवार सुबह वह घर से लगभग 500 मीटर दूर एक खेत में बने टिन शेड के पास लहूलुहान हालत में मिली। सूत्रों ने बताया कि परिजन उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले गए, जहां हालत बिगड़ने पर उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि मेडिकल जांच में बच्ची से बलात्कार की पुष्टि हुई है और उसकी हालत गंभीर बतायी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान पुलिस को 12 साल के एक लड़के पर संदेह हुआ जो पीड़िता का रिश्तेदार भी है। उन्होंने बताया कि तीन दिन पहले चंडीगढ़ से आये उस लड़के से पुलिस ने पूछताछ की तो शुरू में तो उसने गुमराह करने की कोशिश की, मगर बाद में उसने बच्ची से बलात्कार करने का गुनाह कुबूल कर लिया।

तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी के सहयोगी सुमित रॉय पर धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी के करीबी सुमित रॉय के खिलाफ पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। आरोपी सुमित रॉय के खिलाफ हाल ही में जमीन हड़पने का भी मामला दर्ज किया गया था और पश्चिम बंगाल पुलिस ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। पुलिस ने रॉय की तलाश में कोलकाता में बनर्जी के आवास पर भी तलाशी अभियान चलाया था। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले के देबरा थाने में रॉय के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता ने रॉय के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इस मामले में गिरफ्तार मेदिनीपुर के पूर्व विधायक सुजॉय हाज़रा को भी नामजद किया गया है।

एक वरिष्ठ सीआईडी अधिकारी ने कहा कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर एजेंसी स्थानीय पुलिस को हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा, ''हम शिकायत की जांच कर रहे हैं और सभी संबंधित दस्तावेज एकत्र कर रहे हैं। हर आरोप का साक्ष्यों के आधार पर सत्यापन किया जाएगा और उसके बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।''

जहां योग से तपा हुआ शरीर है, वहां न रोग है, न बीमारी : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झांसी/लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को कहा कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ रहता है तथा रोग, बीमारियों और समय से पहले आने वाले बुढ़ापे से बचाव संभव है। उन्होंने लोगों से योग को केवल एक दिन तक सीमित न रखकर अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई किले में आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''योग को केवल 21 जून तक सीमित न रखकर जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। स्वस्थ शरीर ही व्यक्ति को शिक्षा, श्रम, कृषि, विज्ञान और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में सफलता दिला सकता है।'' योगी ने कहा कि योग शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाता है और स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मस्तिष्क व स्वस्थ बुद्धि का आधार है। स्वस्थ छात्र, शिक्षक, किसान, श्रमिक, वैज्ञानिक और नागरिक ही समाज तथा राष्ट्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि योग को वैश्विक पहचान दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के लगभग 200 देश योग से जुड़ चुके हैं और इस वर्ष की थीम 'बढ़ती उम्र में योग से रहें निरोग' लोगों को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन की दिशा दिखाती है। योगी ने आयुष पद्धति के महत्व पर भी बल देते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मस्तिष्क और स्वस्थ आत्मा का आधार संतुलित जीवनशैली है। आयुष प्रणाली का लाभ जितना अधिक लोग उठाएंगे, उतना ही यह व्यक्ति और देश दोनों के लिए हितकारी सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने भारतीय ऋषि परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह परंपरा प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन जीने की प्रेरणा देती है।

मोदी ने योग दिवस कार्यक्रम के लिए कोलकाता के निवासियों का धन्यवाद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम की मेजबानी के लिए कोलकाता के लोगों को धन्यवाद दिया और कार्यक्रम से पहले शहरव्यापी स्वच्छता अभियान में शामिल होने के लिए नागरिकों की सराहना की।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं कोलकाता के अपने भाइयों और बहनों का इस वर्ष के योग दिवस समारोह की शानदार मेजबानी करने के लिए आभार व्यक्त करना चाहता हूं। इतने जीवंत शहर में योग दिवस मनाना बहुत गर्व और सम्मान की बात है।''

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम से पहले शहरभर में चलाए गए स्वच्छता अभियान की भी सराहना की और कहा कि कोलकाता के लोगों ने जिम्मेदारी का एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। उन्होंने कहा, ''योग दिवस की तैयारियों के दौरान पूरे शहर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। वह भी बहुत प्रेरणादायक है। कोलकाता के लोगों ने नागरिक कर्तव्यों के निर्वहन के संबंध में एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है।''

योग मानवता के लिए भारत के सबसे बड़े उपहारों में एक है: अरूणाचल प्रदेश के राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल के टी परनाइक ने शनिवार को योग को 'मानवता के लिए भारत के सबसे बड़े उपहारों में से एक' बताया। उन्होंने कहा कि यह बीमारियों से बचाव के लिए आसान और टिकाऊ तरीका है, जो मानसिक सेहत एवं संतुलित जीवनशैली बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यहां लोक भवन में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस वैश्विक आयोजन से भारत की सदियों पुरानी सभ्यतागत समझ को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता का पता चलता है। प्राचीन भारतीय परंपराओं पर आधारित योग अब इंसानों के बीच स्वास्थ्य, शांति और एकता के लिए एक वैश्विक आंदोलन बन गया है। इस साल की थीम 'बढती उम्र में योग से रहे निरोग' का ज़िक्र करते हुए, परनाइक ने कहा कि योग सभी उम्र के लोगों को फ़ायदा पहुंचाता है, यह जीवन भर शारीरिक फ़िटनेस, मानसिक सतर्कता और भावनात्मक सेहत बनाए रखने में मदद करता है। योग अच्छी सेहत, सकारात्मकता और आंतरिक शक्ति को बढ़ावा देता है, जिससे यह केवल एक व्यायाम से कहीं बढ़कर बन जाता है। परनाइक ने कहा कि कोविड महामारी के बाद के दौर में इसका महत्व और बढ़ गया है, क्योंकि अब मानसिक मज़बूती और भावनात्मक संतुलन बहुत ज़रूरी हो गए हैं।

मथुरा में मक्के की फसल में दाने नहीं आने से किसान परेशान, जांच के लिए दो समितियां गठित

मथुरा (उप्र)/भाषा। मथुरा जिले में मक्के की फसल किसानों के लिए धोखा साबित हुई है। फसल हरी-भरी होने के बावजूद भुट्टों में दाने नहीं आए हैं। इससे खेत तैयार करने से लेकर खाद, बीज और सिंचाई पर किया गया निवेश बर्बाद होता दिख रहा है। प्रभावित किसानों ने सरकार से नुकसान की भरपाई की मांग की है। किसानों की शिकायत पर राज्य कृषि निदेशालय ने आगरा मंडल के संयुक्त कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव की अगुआई में जांच समिति बनाई है। समिति में उप कृषि निदेशक का प्रभार देख रहे जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र प्रभारी डॉ. योगेश कुमार शर्मा और बीज निर्माता कंपनी हिल इंडिया का एक प्रतिनिधि शामिल है।

समिति भुट्टे, मक्का बीज की आनुवंशिक गुणवत्ता, प्रभावित खेतों की मिट्टी की सेहत व नमी समेत अन्य जरूरी तथ्यों की जांच करेगी। विशेषज्ञ यह भी देखेंगे कि फसल खराब होने के पीछे बीज की गुणवत्ता, प्रतिकूल मौसम या मिट्टी के पोषक तत्वों का असंतुलन वजह है या नहीं। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता के नेतृत्व में अलग टीम बनाई है। इसमें जिला कृषि अधिकारी, कृषि विज्ञान केंद्र प्रभारी, जिला उद्यान अधिकारी डॉ. प्रशांत वर्मा और वरिष्ठ सहायक कृषि रक्षाकर्मी संजीव कुमार शामिल हैं। जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार सिंह ने बताया कि जांच रिपोर्ट में बीजों में खराबी या धोखाधड़ी मिलने पर कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी और किसानों को मुआवजा दिलाया जाएगा।

जद(यू) की राज्य परिषद ने निशांत कुमार को 'बड़ी भूमिका' सौंपने का प्रस्ताव पारित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई वाले जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने पार्टी में कुछ महीने पहले शामिल हुए निशांत कुमार को 'बड़ी भूमिका' सौंपने का रविवार को प्रस्ताव पारित किया। वरिष्ठ पार्टी नेताओं ने यह जानकारी दी। पार्टी के वरिष्ठ नेता और बिहार के मंत्री सुनील कुमार ने बताया कि जद(यू) की राज्य परिषद की बैठक में इस संबंध में एक 'राजनीतिक प्रस्ताव' पारित किया गया। उन्होंने कहा, ''राज्य परिषद की बैठक में, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा के पुनर्निर्वाचन को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई।''

महनार से मौजूदा विधायक कुशवाहा को इस साल मार्च में लगातार तीसरी बार जद(यू) का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया था। उन्हें सबसे पहले 2021 में पार्टी के इस अहम पद पर नियुक्त किया गया था। इसे जद(यू) के पारंपरिक समर्थक आधारकुर्मी और कोइरी जातियों (जिन्हें स्थानीय राजनीतिक शब्दावली में 'लव-कुश' कहा जाता है) को एकजुट करने की कोशिश के तौर पर देखा गया था।

सुनील कुमार से यह भी पूछा गया था कि क्या निशांत के बारे में कोई प्रस्ताव पारित किया गया है। निशांत भाजपा नीत बिहार की राजग सरकार में स्वास्थ्य मंत्री हैं। यह सरकार निशांत के पिता नीतीश कुमार के राज्यसभा के लिए चुने जाने और अप्रैल में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफ़ा देने के बाद बनी थी।

ताजमहल से बीदर के किले तक: एएसआई ने कई ऐतिहासिक स्थलों पर योग सत्र आयोजित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर आगरा के मशहूर ताजमहल और वारंगल के किले से लेकर बीदर के किले तक, देश भर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित कई स्थलों पर योग सत्र आयोजित किए गए।

दिल्ली में केंद्रीय संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल ने पुराने किले में आयोजित एक सत्र में हिस्सा लिया। उनके साथ एएसआई के महानिदेशक यदुबीर सिंह रावत और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। इस साल 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है जिसका विषय 'बढ़ती उम्र में योग से रहें निरोग' है। यह विषय सभी उम्र के लोगों के लिए योग के महत्व पर जोर देता है। एएसआई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस मौके पर उसने देश भर में एएसआई संरक्षित स्मारकों पर 'बढ़ती उम्र में योग से रहें निरोग' विषय के तहत योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए। इसने एक वीडियो साझा किया जिसमें उन कुछ जगहों की झलक दिखाई गई है जहां योग सत्र आयोजित किए गए। इनमें आगरा (उत्तर प्रदेश) का ताजमहल और फतेहपुर सीकरी, राजस्थान में डीग पैलेस, तेलंगाना में वारंगल का किला, कर्नाटक में बीदर का किला और केरल में बेकल का किला शामिल हैं। एएसआई ने एक पोस्ट में कहा, ''भारत की शाश्वत धरोहर की पृष्ठभूमि में, प्रतिभागियों, अधिकारियों, योग प्रेमियों और पर्यटकों ने एक साथ आकर योग आसन किए। उन्होंने संपूर्ण स्वास्थ्य, सक्रिय जीवनशैली और मन व शरीर के बीच तालमेल के संदेश को अपनाया।'' वहीं, एक अन्य पोस्ट में एएसआई ने लिखा कि इस साल के विषय को ध्यान में रखते हुए दिल्ली के पुराने किले में एक विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिसमें शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में योग के महत्व पर प्रकाश डाला गया। एएसआई के अधिकार क्षेत्र में पूरे देश में 3,686 पुरातात्विक स्थल और स्मारक हैं।

बंगाल सरकार पुलिसकर्मियों, लोकसेवकों पर हमलों से निपटने के लिए दो विधेयक लाएगी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार सार्वजनिक अव्यवस्था, तोड़फोड़ और पुलिसकर्मियों तथा लोकसेवकों पर हमलों के मामलों से सख्ती से निपटने के लिए विधानसभा में दो विधेयक पेश करने जा रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि गृह विभाग प्रस्तावित विधेयक को मंजूरी के लिए राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष सोमवार को प्रस्तुत कर सकता है।

राज्य सचिवालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन विधेयकों को विधानसभा के बजट सत्र के दौरान प्रस्तुत किए जाने की संभावना है। अधिकारी ने कहा, ''इन विधेयकों का उद्देश्य केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। कई बार ऐसे मामले सामने आए हैं जब पुलिसकर्मियों, प्रशासनिक अधिकारियों और यहां तक कि केंद्रीय बलों पर भी अपने कर्तव्यों का पालन करते समय हमले हुए हैं।'' उन्होंने कहा कि इन विधेयकों में से एक पश्चिम बंगाल सार्वजनिक व्यवस्था संरक्षण अधिनियम, 1972 में संशोधन करने का प्रस्ताव किया गया है, जो दंगे, आगजनी, लूटपाट, विस्फोटकों के इस्तेमाल और सार्वजनिक व्यवस्था को खतरा पहुंचाने वाली अन्य गतिविधियों से संबंधित है।

हरमनप्रीत कौर 200 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली क्रिकेटर बनीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैनचेस्टर/भाषा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व कप मैच के दौरान महिला और पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 200 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं।

हरमनप्रीत ने मार्च 2009 में पाकिस्तान के खिलाफ वनडे प्रारूप में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और उसी साल जून में इंग्लैंड के खिलाफ टॉनटन में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। मैच शुरू होने से पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार और उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने हरमनप्रीत को एक खास जर्सी और कैप दी जिन पर '200' लिखा हुआ था। टॉस के समय हरमनप्रीत ने कहा, ''सच कहूं तो यह एक शानदार सफर रहा है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इतनी दूर तक आ पाऊंगी, लेकिन मुझे लगता है कि भगवान की मुझ पर कृपा रही है और मैं उनकी, अपने परिवार, दोस्तों, बीसीसीआई और अपनी सभी टीम की साथियों की बहुत आभारी हूं। उन्होंने हमेशा मेरा बहुत साथ दिया है।''

कोई दबाव नहीं था, इस श्रृंखला में काफी कुछ सिखने को मिला: सूर्यवंशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दाम्बुला/भाषा। किशोर सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि लीग चरण में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहने के बावजूद त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में उन पर किसी प्रकार का दबाव नहीं था।

पिछले मुकाबले में लचर प्रदर्शन तथा आक्रामक व्यवहार से सुर्खियां बटोरने वाले इस खिलाड़ी ने अपनी योजनाओं पर भरोसा रखते हुए स्वाभाविक खेल खेला जिससे भारत ए ने श्रीलंका ए के खिलाफ रविवार को फाइनल में 66 रन से जीत दर्ज की।

इस 15 साल के खिलाड़ी ने 29 गेंदों पर 94 रनों की विस्फोटक पारी के दौरान 11 गेंदों में अर्धशतक जड़कर लिस्ट-ए क्रिकेट का नया रिकॉर्ड बनाया। उनकी इस पारी ने खिताबी मुकाबले में भारत 'ए' की जीत की नींव रखी। सूर्यवंशी इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे पर जाने वाली भारतीय टी20 का हिस्सा है और उन्हें उस दौरे पर पदार्पण का मौका मिल सकता है। मैच के बाद 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए सूर्यवंशी ने कहा, ''मैंने कुछ खास नहीं सोचा था। बस पहले दस ओवरों में अपनी योजना को लागू करना चाहता था और फिर आगे बढ़ना चाहता था।''

उनकी इस आक्रामक पारी ने वैसा ही प्रभाव छोड़ा जैसा उन्होंने इस वर्ष अंडर-19 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 80 गेंदों पर 175 रन बनाकर किया था।

सूर्यवंशी की आतिशी शुरुआत की बदौलत भारत ए ने नौ ओवरों में ही 132 रन बना लिए थे। मध्यक्रम में कुछ धीमी बल्लेबाजी के बावजूद टीम ने नौ विकेट पर 377 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और फिर श्रीलंका ए की पारी को 47.1 ओवर में 311 रन पर समेट दिया। यह फाइनल उसी टीम के खिलाफ था, जिसके खिलाफ पिछले मुकाबले में भारत 'ए' सुपर ओवर में हार गया था। इस मैच में सूर्यवंशी का श्रीलंकाई खिलाड़ियों के साथ मैदान पर विवाद भी हुआ था।

आईपीएल में 72 छक्कों के रिकॉर्ड और 700 से अधिक रन के साथ वाहवाही बटोरने के बाद उस घटना और टूर्नामेंट में औसत प्रदर्शन (चार पारियों में 117 रन) के कारण उनके फॉर्म और संयम पर सवाल उठे थे।

बाएं हाथ के इस आक्रामक बल्लेबाज ने कहा कि उन्हें कभी दबाव महसूस नहीं हुआ। उन्होंने कहा, ''कोई दबाव नहीं था। मैं अपनी योजना को ठीक से लागू नहीं कर पा रहा था, लेकिन कोच से बात करने के बाद मैंने सुधार किया। इस श्रृंखला में मैंने बहुत कुछ सीखा।''

टी20 विशेषज्ञ माने जाने वाले सूर्यवंशी ने कहा कि वे 50 ओवर प्रारूप में भी सहज हैं और अलग-अलग परिस्थितियों में खेलने की चुनौती का आनंद लेते हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने काफी 50 ओवर क्रिकेट खेला है। लोग शायद इसके बारे में ज्यादा नहीं जानते। अलग-अलग परिस्थितियों में ढलना ही सबसे बड़ी चुनौती थी और इस श्रृंखला में मुझे अच्छा अनुभव मिला।''

विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में वापसी की संभावना को खारिज किया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली से रविवार को जब पूछा गया कि वह फिर से सफेद जर्सी पहनकर मैदान में लौटना चाहेंगे तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह अपने नए लांच किए गए जूतों की बिक्री कम होना पसंद करेंगे, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में वापसी नहीं करेंगे। पिछले वर्ष टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले कोहली अब केवल एक प्रारूप में ही खेलते हैं। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 9,230 रन बनाए थे। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने अपने नए जूतों की कीमत भी अपने टेस्ट रन के बराबर रखी है।

'वन8 ग्लोबल' के प्रीमियर कार्यक्रम में उनसे मजाक में पूछा गया कि क्या वह टेस्ट क्रिकेट में वापसी करना चाहेंगे ताकि उनके लाल रंग के जूतों की बिक्री और मुनाफा बढ़ सके। ये जूते टेस्ट क्रिकेट में उनके योगदान और समर्पण से प्रेरित हैं। इस पर कोहली ने हंसते हुए कहा, ''मैं कम बिक्री होना पसंद करूंगा। मैं इससे (टेस्ट क्रिकेट से) आगे बढ़ चुका हूं।'' उनके इस जवाब पर मौजूद लोगों की हंसी छूट गई। इस बातचीत के दौरान कोहली ने अपने 'कभी हार नहीं मानने' वाले रवैये पर भी बात की जिसके साथ वह हमेशा खेलते रहे हैं। अपनी बात समझाते हुए उन्होंने उदाहरण के तौर पर 2022 टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मेलबर्न में खेली गई अपनी यादगार मैच जीताने वाली पारी का जिक्र किया। कोहली ने कहा, ''मैं ऐसा ही हूं। मुझे ऐसी स्थितियां पसंद हैं जब लोगों को लगता है कि मैच हाथ से निकल गया है और फिर किसी तरह आप खेल को वापस अपनी तरफ मोड़ लेते हैं।''

सुविचार

हर नई सुबह एक नया अवसर लेकर आती है, बशर्ते आप बीते हुए कल के बोझ को आज न ढोएं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कब प्राप्त होंगे ये लक्ष्य?

उत्तराखंड ने पूर्ण साक्षरता का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। यह इस राज्य की बड़ी उपलब्धि है। इसके पीछे केंद्र और राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन, शिक्षकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की बड़ी भूमिका रही है। उत्तराखंड के समस्त निवासी बधाई के हकदार हैं, जिन्होंने अपने राज्य को पूर्ण साक्षर बनाने में योगदान दिया। अब अन्य राज्यों की बारी है। वे भी आगे आएं, कोशिश करें और पूर्ण साक्षर राज्य बनें। उत्तराखंड ने तो मिसाल कायम कर दी है। यह विश्वास है कि भविष्य में अन्य राज्य भी इस लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे। हम आज़ादी के इतने दशकों बाद 'साक्षरता' की बात कर रहे हैं! इससे यह संकेत मिलता है कि हमारी कोशिशों में कहीं न कहीं कमियां रही हैं। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश को पूर्ण साक्षरता का लक्ष्य तो प्राप्त करना ही चाहिए। साथ ही, इससे बड़ा लक्ष्य निर्धारित कर उसकी प्राप्ति के लिए पूर्ण मनोयोग के साथ जुट जाना चाहिए। कितना अच्छा हो, अगर कोई राज्य यह कहे कि हमने बेरोजगारी पर 100 प्रतिशत विजय प्राप्त कर ली है! यह मुश्किल जरूर है, असंभव नहीं है। अगर इरादे मजबूत हों तो राज्य सरकारें ऐसा कर सकती हैं। इसके लिए व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण की जरूरत है। सरकारें चाहें तो ये सुलभ करा सकती हैं। युवाओं को स्थानीय संसाधनों और संभावनाओं के आधार पर प्रशिक्षित किया जाए। ग्रामीण युवाओं को इस योग्य बनाया जाए कि उन्हें पलायन न करना पड़े। गांव में अपना घर-द्वार छोड़कर शहर में किराए के मकान में रहना, भीड़ में धक्के खाना और कठोर संघर्ष का सामना करना बहुत मुश्किल होता है। यह व्यवस्था जवानी का एक बड़ा हिस्सा निचोड़ लेती है। इसमें सुधार होना चाहिए।

पूर्ण साक्षरता की तरह पूर्ण स्वच्छता का लक्ष्य भी होना चाहिए। विदेशी पर्यटक हमारे 'सिविक सेंस' का मजाक बनाते हैं। हम उन्हें पूरी तरह गलत नहीं ठहरा सकते हैं। अगर आस-पास देखेंगे तो ऐसे कई लोग नजर आएंगे, जो अच्छे-खासे पढ़े-लिखे हैं, महंगा मोबाइल फोन रखते हैं, महंगी गाड़ियों में घूमते हैं, लेकिन वे सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता का ध्यान नहीं रखते हैं। हाल में राजस्थान के जयपुर शहर में एक बगीचा बनाया गया। वहां लोग सुबह-शाम सैर और व्यायाम आदि के लिए आने लगे। महीनेभर में ऐसे लोगों का जमघट लगने लगा, जिनका सबसे बड़ा मकसद बगीचे में गंदगी फैलाना है। वे प्लास्टिक की खाली बोतलें फेंक देते हैं। तंबाकू, गुटखा जैसे पदार्थों का सेवन करते हैं और इधर-उधर थूकते हैं। बिस्किट, चिप्स जैसी चीजें खाकर खाली पैकेट वहीं छोड़ देते हैं। अगर कोई उन्हें यह कहते हुए समझाए कि 'हमें बगीचे को स्वच्छ रखना चाहिए', तो वे झगड़ा करने लगते हैं। जवाब देते हैं, 'अकेले हम ही गंदगी फैला रहे हैं क्या? अन्य लोग भी ऐसा करते हैं। पहले उन्हें समझाकर आएं।' जब यह रवैया रहेगा तो 'स्वच्छ राजस्थान' और 'स्वच्छ भारत' का निर्माण कैसे होगा? आज हमारे देश के कई सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फैला हुआ है। उसके लिए अंग्रेजों या किसी विदेशी आक्रांता को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते हैं। इसकी जिम्मेदारी हम सबको लेनी होगी। यह हमारा देश है। इसमें हम रहते हैं। इसे स्वच्छ बनाने के लिए कोई दूसरा नहीं आएगा। सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। हर नागरिक को इसे स्वीकार करना होगा। हमारे देश के लोग जब जापान, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में घूमकर आते हैं तो यह कहते हुए स्वच्छता की तारीफ करते हैं- 'वहां सड़क पर एक तिनका तक नहीं था।' इन देशों में लोग इतने जागरूक हैं कि वे खुद ही कचरा नहीं फैलाते हैं। क्या हमें अपने देश को इतना स्वच्छ बनाने से कोई मना कर रहा है? हम भी ऐसा कर सकते हैं। बस, इरादा चाहिए, जागरूकता चाहिए और आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभाने का साहस चाहिए।

ट्वीटर टॉक

कांग्रेस की विचारधारा को बूथ लेवल तक मज़बूत किया गया, कार्यकर्ताओं को ताकत दी गई, और लोगों की आवाज़ को मज़बूती से एक संकल्प के ज़रिए उठाया गया, क्योंकि संगठन बनाने के ट्रेनिंग कैंप का उद्घाटन झंडा फहराने की रस्म के साथ हुआ।

-सचिन पायलट

इस फादर्स डे पर, उन सभी पिताओं को मेरा सलाम, जो अपने बच्चों के चेहरे पर मुस्कान देखने के लिए, दुनिया की मुश्किलों और परेशानियों को सहते हुए, बिना थके कोशिश करते हैं। दिव्य पिता का त्याग, स्नेह, समर्पण और कोमल प्रेम जीवन में एक अनमोल वरदान है।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

'आरोग्य महोत्सव 2026' में हिस्सा लेते हुए, जो सभी के बेहतरीन स्वास्थ्य, हेल्दी लाइफस्टाइल और लोगों में जागरूकता के लिए समर्पित है, मैंने हेल्थ, योग, बैलेंस्ड डाइट और प्रिवेंटिव मेडिसिन के महत्व पर अपने विचार शेयर किए और सभी से हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने की अपील की।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

एकाग्रता की शक्ति

नन्ही एन. वेल्लारमथी कक्षा में बैठी थी। शिक्षिका बच्चों को स्वामी विवेकानंद का पाठ पढ़ाते हुए बोलींस्वामी विवेकानंद का कहना था कि यदि मुझे दोबारा अपनी शिक्षा शुरू करनी हो, तो मैं केवल तथ्यों को इकट्ठा नहीं करूंगा, बल्कि अपनी एकाग्रता की शक्ति को बढ़ाऊंगा। एकाग्र मन अपनी इच्छा के अनुसार कुछ भी प्राप्त कर सकता है। क्या तुम्हें मालूम है कि स्वामी विवेकानंद ने एकाग्रता की तुलना सूर्य की किरणों से की थी? तुम सब रोज़ आकाश में सूर्य देखते हो। सभी बच्चों ने सहमति में सिर हिलाया। इसके बाद शिक्षिका बोलीं 'चलो, आज एक प्रयोग करते हैं। मैं तुम्हें बताऊंगी कि हमारे जीवन में एकाग्रता क्यों जरूरी है।' शिक्षिका ने एक लेंस लिया और उसके नीचे कागज़ रखा। लेंस के माध्यम से सूर्य की किरणों को एक बिंदु पर केंद्रित किया गया। कुछ ही देर में कागज़ जल गया। नन्ही वेल्लारमथी उत्साह से बोली 'वाह! यह तो चमत्कार है।' शिक्षिका ने समझाया 'बच्चों, यह चमत्कार नहीं, बल्कि एकाग्र ऊर्जा का परिणाम है। यदि तुम भी एकाग्रता के साथ पढ़ाई करोगे, तो जीवन में बड़ी सफलता प्राप्त कर सकते हो।'

सामयिक

जंगल में आग, धधक रहे हैं पहाड़

प्रमोद भार्गव

मोबाइल : 9425488224

वन अमला हरी टहनियों की झाड़ू बनाता है और उसकी फटकार से आग बुझाने का काम करता है। इस तरीके से दावानल में बदली वनाग्नि को नहीं बुझाया जा सकता है। वनों में आग लगने का एक बड़ा कारण आरक्षित वनों, अभ्यारण्यों और उद्यानों से ग्राम और ग्रामवासियों का विस्थापन किया जाना भी है। ये लोग जब तक जंगल के वासी रहे, तब आग अपवादस्वरूप ही लगती थी, क्योंकि ये लोग आग लगते ही उसे बुझा दिया करते थे।

उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के जंगलों में लगी आग पर वायु सेना ने काबू न पाया होता तो बड़े संकट का सबब बन गई होती? हालांकि अभी भी पहाड़ धधक रहे है। हिमाचल के सोलन जिले के कसोली क्षेत्र में लगी आग सैन्य ठिकानों और आवासीय इलाकों तक पहुंच गई थी। वन अमला आग बुझाने का कोई सार्थक उपाय कर नहीं पाया, तब भारतीय वायु सेना को राहत अभियान में उतरना पड़ा। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में जंगल की आग गंगोत्री राजमार्ग पर पहुंच गई थी, जहां गेस्ट हाउस में ठहरे 70 यात्रियों को बड़ी मुश्किल से बचाया। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर और रामवन जिलों में कई दिनों से पहाड़ अभी भी धधक रहे है। अनेक गांव आग के दायरे से घिरते जा रहे है।

गर्मियों के शुरू होते ही इन राज्यों के पहाड़ी वनों में आग लगने की घटनाएं प्रतिवर्श सुर्खियां बनने लगती हैं, लेकिन किसी भी राज्य ने आग न लगे ऐसे स्थायी प्रबंध करने की जरूरत आज तक नहीं समझी है। आरक्षित वनों में आग लगने की इन घटनाओं से हजारों हेक्टेयर जंगल सुलग कर राख में तब्दील हो जाते हैं। हिमाचल के अकेले कसौली वनक्षेत्र में 10 हेक्टेयर जंगल जलकर राख हो गया है। उत्तराखंड में वनाग्नि की 388 से ज्यादा घटनाएं दर्ज होने के साथ तीन लोगों की मृत्यु भी हो गई है। 340 हेक्टेयर वन भूमि अभी भी धधक रही है। चमोली के आदिबद्री और कालसी में ग्रामों तक आग पहुंच गई। पौड़ी में आग लगाने के आरोप में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। जम्मू-कश्मीर के रामवन, चंदरकोट और उधमपुर में अभी भी कई वनक्षेत्र धधक रहे हैं, इन पहाड़ी क्षेत्रों में आग पर काबू पाना इसलिए मुष्किल होता है, क्योंकि पहाड़ी क्षेत्रों में राहत की सुविधाएं आसानी से पहुंच नहीं पाती। यहां आग बुझाने का काम वन अमले और स्थानीय लोगों की मदद से ही संभव हो पाता है। हिमाचल की आग पर तो इसलिए काबू पा लिया गया, क्योंकि वायु सेना ने आग बुझाने की कमान अपने हाथ में ले ली थी। हेलिकॉप्टरों में बाम्बी बकेट प्रणाली का प्रयोग करके आग नियंत्रित कर ली गई। इस तरीके में निकट के जल-स्रोतों से पानी भरकर सीधे आग वाले क्षेत्रों में गिरा दिया जाता है। चूंकि आग तीन राज्यों के बहुत बड़े क्षेत्र में फैली हुई थी, इसलिए हेलिकॉप्टरों से आग बुझाना संभव ही नहीं है।

यूं तो जंगल में आग लगना एक सामान्य घटना है। वन-प्रांतरों में आग लगती ही रहती हैं। उत्तराखंड में प्रत्येक वर्ष आग की सबसे ज्यादा घटनाएं देखने में आती हैं। उत्तराखंड का भौगोलिक क्षेत्रफल 53,483 वर्ग किलोमीटर है। इसमें 64.79 प्रतिशत, यानी 34,651.014 वर्ग किमी वन क्षेत्र हैं। इनमें से 24414408 वर्ग किमी क्षेत्र वन विभाग के अधीन हैं। इसमें से करीब 24260.783 वर्ग किमी क्षेत्र आरक्षित वनों की श्रेणी में हैं। शेष 39.653 वर्ग किमी जंगल वन पंचायतों के नियंत्रण में हैं। आरक्षित वनों में से 394383.84 हेक्टेयर भूमि में चीड़ के जंगल हैं और 383088.12 हेक्टेयर बांस एवं शाल के वन हैं। वहीं 614361 हेक्टेयर में मिश्रित वन हैं। लगभग 22.17 फीसदी वन क्षेत्र खाली पड़ा है। चीड़ के जंगल और लैंटाना की झाड़ियां इस आग को फैलाने में सबसे ज्यादा जिम्मेबार हैं। दरअसल चीड़ के पत्तों में एक विशेष किस्म का ज्वनलशील पदार्थ होता है। इसकी पत्तियां पतझड़ के मौसम में आग में घी का काम करती हैं। गर्मियों में पत्तियां जब सूख जाती हैं तो इनकी ज्वलनशीलता और बढ़ जाती है।

जंगल में आग लगने के कई कारण होते हैं। जब पहाड़ियां तपिश के चलते शुष्क हो जाती हैं और चट्टानें भी खिसकने लगती हैं, तो अकसर घर्षण से आग लग जाती है। तेज हवाएं चलने पर जब बांस परस्पर टकराते हैं तो इस टकराव से पैदा होने वाले घर्षण से भी आग लग जाती है। बिजली गिरना भी आग लगने के कारणों में शामिल है। ये कारण प्राकृतिक हैं, इन पर विराम लगाना नामुमकिन है। किंतु मानव-जनित जिन कारणों से आग लगती है, वे खतरनाक हैं। इसमें वन-संपदा के दोहन से अटाटूट मुनाफा कमाने की होड़ शामिल है। भू-माफिया, लकड़ी माफिया और भ्रष्ट अधिकारियों के गठजोड़ की तिकड़ी इस करोबार को फलने-फूलने में सहायक बनी हुई है। राज्य सरकारों ने आजकल विकास का पैमाना भी आर्थिक उपलब्धि को माना हुआ है, इसलिए सरकारें पर्यावरणीय क्षति को नजरअंदाज करती हैं। आग लगने की मानवजन्य अन्य वजहों में बीड़ी-सिगरेट भी हैं, तो कभी शरारती तत्व भी आग लगा देते हैं। कभी ग्रामीण पालतू पशुओं के चारे के लिए सूखी व कड़ी पड़ चुकी घास में आग लगाते हैं। ऐसा करने से धरती में जहां-जहां नमी होती है, वहां-वहां घास की नूतन कोंपलें फूटने लगती हैं। जो मवेशियों के लिए पौष्टिक आहार का काम करती हैं। पर्यटन वाहनों के साइलेंसरों से निकली चिंगारी भी आग की वजह बनती है।

आग से बचने के कारगर उपायों में पतझड़ के दिनों में टूटकर गिर जाने वाले जो पत्ते और टहनियां आग के कारक बनते हैं,उन्हें जैविक खाद में बदलने के उपाय किए जाएं। केंद्रीय हिमालय में 2.1 से लेकर 3.8 टन प्रति हेक्टेयर पतझड़ होता है। इसमें 82 प्रतिशत सूखी पत्तियां और बांकी टहनियां होती हैं। जंगलों पर वन विभाग का अधिकार प्राप्त होने से पहले तक ज्ञान परंपरा के अनुसार ग्रामीण इस पतझड़ से जैविक खाद बना लिया करते थे। यह पतझड़ मवेशियों के बिछौने के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता था। मवेशियों के मल-मूत्र से यह पतझड़ उत्तम किस्म की खाद में बदल जाता था। किंतु अव्यावहारिक वन कानूनों के वजूद में आने से वनोपज पर स्थानीय लोगों का अधिकार खत्म हो गया। स्थानीय ग्रामीण और मवेशियों का जंगल में प्रवेश वर्जित हो जाने से पतझड़ यथास्थिति में पड़ा रहकर आग का प्रमुख कारण बन रहा है। इस सब के बावजूद जंगल में लगी आग को बुझाने के तरीके परंपरागत हैं। वन अमला हरी टहनियों की झाड़ू बनाता है और उसकी फटकार से आग बुझाने का काम करता है। इस तरीके से दावानल में बदली वनाग्नि को नहीं बुझाया जा सकता है। वनों में आग लगने का एक बड़ा कारण आरक्षित वनों, अभ्यारण्यों और उद्यानों से ग्राम और ग्रामवासियों का विस्थापन किया जाना भी है। ये लोग जब तक जंगल के वासी रहे, तब आग अपवादस्वरूप ही लगती थी, क्योंकि ये लोग आग लगते ही उसे बुझा दिया करते थे। साफ है, विदेषों का अनुकरण हमारे वनों को बहुत नुकसान पहुंचा रहा है।

नजरिया

कश्मीर में गूंजते मंत्र और भाईचारे का संदेश

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

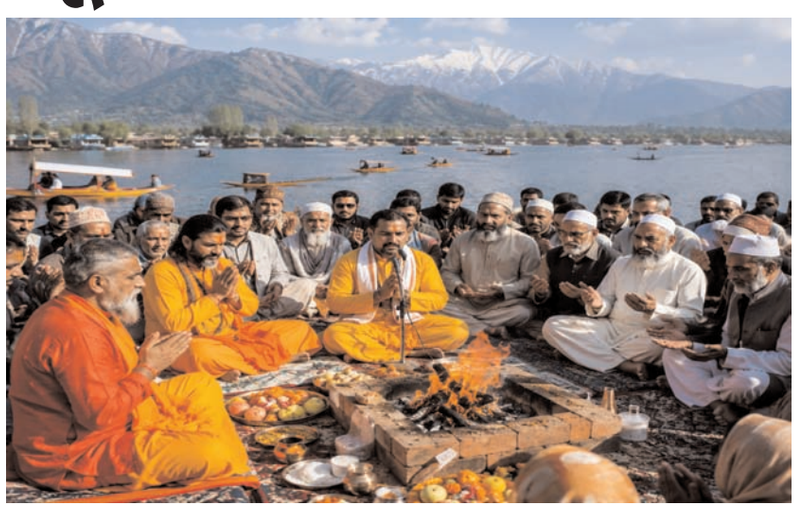

शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत सुविधाएँ और आर्थिक अवसर किसी भी स्थायी पुनर्वास के अनिवार्य घटक हैं। इसलिए केवल भावनात्मक अपील पर्याप्त नहीं हो सकती। सामाजिक सद्भाव के साथ-साथ विकास और अवसरों का वातावरण भी आवश्यक है। मुर्रान की घटना का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसने संवाद की आवश्यकता को रेखांकित किया है। लंबे समय तक चले संघर्ष और अविश्वास के बाद समाज में विश्वास का पुनर्निर्माण एक धीमी प्रक्रिया होती है।

कश्मीर को सदियों से विविध संस्कृतियों, परंपराओं और आस्थाओं की साझा भूमि के रूप में जाना जाता रहा है। यहाँ की पहचान केवल उसकी प्राकृतिक सुंदरता से नहीं, बल्कि उस सामाजिक ताने-बाने से भी रही है जिसमें अलग-अलग समुदायों ने लंबे समय तक एक साथ जीवन बिताया। कश्मीरी पंडित और मुसलमानों के बीच पीढ़ियों से विकसित हुए सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय संबंध इस भूमि की सबसे बड़ी विशेषताओं में रहे हैं। हालांकि 1989 और 1990 के उथल-पुथल भरे दौर ने इस साझा जीवन को गहरी चोट पहुँचाई। बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों को घाटी छोड़कर देश के विभिन्न भागों में विस्थापित जीवन बिताने के लिए मजबूर होना पड़ा। उस दौर की पीड़ा आज भी हजारों परिवारों की स्मृतियों में जीवित है। ऐसे समय में दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के मुर्रान गाँव से आई एक खबर ने अनेक लोगों के मन में आशा का संचार किया है। लगभग 36 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद कश्मीरी पंडित अपनी कुलदेवी के मंदिर में हवन और पूजा-अर्चना के लिए लौटे और स्थानीय मुस्लिम समुदाय ने उनका स्वागत कर भाईचारे का संदेश दिया। यह घटना केवल एक धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं थी, बल्कि यह उन भावनाओं का संगम थी जो दशकों से लोगों के भीतर कहीं दबकर रह गई थीं। जब वर्षों पहले अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए लोग वापस अपने गाँव पहुँचे तो उनके सामने केवल मंदिर नहीं था, बल्कि उनकी स्मृतियाँ थीं, उनका बचपन था, उनके पूर्वजों की यादें थीं और वे रिश्ते थे जो समय और दूरी के बावजूद पूरी तरह समाप्त नहीं हुए थे। अनेक परिवारों के लिए यह यात्रा अतीत और वर्तमान के बीच एक भावनात्मक पुल बन गई। जिन गलियों में उन्होंने बचपन बिताया था, जिन घरों के आँगनों में खेला था और जिन पड़ोसियों के साथ जीवन के सुख-दुख साझा किए थे, उन सबको फिर से देखना उनके लिए अत्यंत भावुक अनुभव रहा। मुर्रान गाँव उन स्थानों में से एक है जहाँ कभी कश्मीरी पंडितों और मुसलमानों का जीवन एक-दूसरे से गहराई से जुड़ा हुआ था। दोनों समुदाय सामाजिक अवसरों, पारिवारिक आयोजनों और स्थानीय परंपराओं में सहभागिता करते थे। लेकिन 1989-90 के दौरान बढ़ी हिंसा और असुरक्षा की परिस्थितियों ने इस सामाजिक संतुलन को तोड़ दिया। बड़ी संख्या में पंडित परिवारों ने अपने घर, जमीन, व्यवसाय और सामाजिक परिवेश को छोड़कर पलायन किया। विस्थापन केवल भौगोलिक परिवर्तन नहीं होता, वह व्यक्ति की पहचान, स्मृतियों और सामाजिक संबंधों को भी प्रभावित करता है। इसलिए जब कोई परिवार दशकों बाद अपने मूल स्थान पर लौटता है तो वह केवल एक जगह पर नहीं लौटता, बल्कि अपनी जड़ों और इतिहास से पुनः जुड़ने का प्रयास करता है।

मुर्रान में आयोजित पूजा-अर्चना का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष स्थानीय मुस्लिम समुदाय की भागीदारी रही। उपलब्ध जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने मंदिर परिसर की सफाई, व्यवस्था और आयोजन की तैयारियों में सहयोग दिया। उन्होंने लौटकर आए कश्मीरी पंडितों का स्वागत किया और उनके साथ संवाद स्थापित किया। यह सहयोग केवल औपचारिक नहीं था, बल्कि उसमें उन पुराने रिश्तों की झलक दिखाई दी जो कभी इस क्षेत्र की सामान्य सामाजिक वास्तविकता हुआ करते थे। जब विभिन्न समुदायों के लोग एक-दूसरे के धार्मिक रपव सांस्कृतिक आयोजनों का सम्मान करते हैं, तब समाज में विश्वास का वातावरण मजबूत होता है। मुर्रान की घटना इसी विश्वास की पुनर्स्थापना का संकेत देती है। कई लौटे हुए परिवारों ने अपने पुराने पड़ोसियों से मुलाकात की। वर्षों बाद हुए इन मिलनों में भावनाएँ स्वाभाविक रूप से उमड़ पड़ीं। कुछ लोगों ने उन दिनों को याद किया जब पूरा गाँव एक परिवार की तरह रहता था। कुछ ने अपने उन मित्रों को याद किया जिनके साथ उन्होंने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष बिताए थे। ऐसे अवसर यह दिखाते हैं कि राजनीतिक और सुरक्षा संबंधी परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, मानवीय रिश्तों की स्मृतियाँ लंबे समय तक जीवित रहती हैं। यही स्मृतियाँ भविष्य में नए विश्वास का आधार भी बन सकती हैं। इस घटना का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि पुलवामा का नाम पिछले कई वर्षों तक आतंकवाद, हिंसा और तनाव से जुड़ी खबरों में प्रमुखता से आता रहा है। देश और दुनिया के अनेक लोगों के मन में पुलवामा की पहचान संघर्ष और अस्थिरता से जुड़ी रही है। ऐसे क्षेत्र से भाईचारे, सहयोग और सामाजिक सौहार्द की खबर सामने आना एक सकारात्मक संकेत माना जा सकता है। यह बताता है कि किसी भी क्षेत्र की वास्तविकता केवल संघर्ष तक सीमित नहीं होती। वहाँ रहने वाले सामान्य लोग शांति, सम्मान और बेहतर भविष्य की आकांक्षा रखते हैं। मुर्रान की घटना इसी आकांक्षा का सार्वजनिक रूप से प्रकट होना है। कश्मीर का इतिहास साझा सांस्कृतिक विरासत का इतिहास रहा है। यहाँ विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं ने एक-दूसरे को प्रभावित किया है। साहित्य, संगीत, भाषा, खानपान और सामाजिक व्यवहार में इस साझा विरासत की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। कश्मीरी पंडितों और मुसलमानों के बीच संबंध केवल पड़ोसी समुदायों के संबंध नहीं थे, बल्कि वे एक साझा सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा भी थे। विस्थापन के कारण इस पहचान को गंभीर क्षति पहुँची। इसलिए जब कोई धार्मिक आयोजन दोनों समुदायों को एक मंच पर लाता है तो वह केवल वर्तमान का नहीं, बल्कि उस साझा इतिहास का भी स्मरण कराता है जिसने कश्मीर की विशिष्ट पहचान को जन्म दिया था। हालाँकि इस सकारात्मक घटना के साथ कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न भी जुड़े हुए हैं। कश्मीरी पंडितों की स्थायी और सम्मानजनक घर-वापसी का मुद्दा आज भी पूरी तरह हल नहीं हुआ है। हजारों परिवार अभी भी घाटी से बाहर रहते हैं। अनेक लोगों के सामने सुरक्षा, रोजगार, आवास और संपत्ति से जुड़े प्रश्न मौजूद हैं। कई परिवारों की नई पीढ़ियाँ उन स्थानों से दूर बड़ी हुई हैं जहाँ उनके पूर्वज रहते थे। उनके लिए वापसी का प्रश्न केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि व्यावहारिक भी है। इसलिए यदि व्यापक स्तर पर पुनर्वास की प्रक्रिया को सफल बनाना है तो उसके लिए दीर्घकालिक और ठोस नीतिगत प्रयास आवश्यक होंगे। सुरक्षा की भावना किसी भी पुनर्वास प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण शर्त होती है। जो परिवार कभी असुरक्षा के कारण अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए थे, उनके मन में स्वाभाविक रूप से अनेक आशंकाएँ मौजूद हो सकती हैं। ऐसे में केवल सरकारी व्यवस्थाएँ ही नहीं, बल्कि स्थानीय समाज का सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मुर्रान में स्थानीय मुस्लिम समुदाय द्वारा प्रदर्शित सद्भाव इसी संदर्भ में विशेष महत्व रखता है। जब पड़ोसी समुदाय स्वयं आगे बढ़कर विश्वास और स्वागत का संदेश देता है, तब पुनर्वास की संभावनाएँ अधिक मजबूत होती हैं।

रोजगार और आर्थिक अवसर भी वापसी के प्रश्न से जुड़े हुए हैं। यदि किसी परिवार को अपने पैतृक स्थान पर लौटना है तो उसे सम्मानजनक जीवनयापन के साधनों की आवश्यकता होगी। शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत सुविधाएँ और आर्थिक अवसर किसी भी स्थायी पुनर्वास के अनिवार्य घटक हैं। इसलिए केवल भावनात्मक अपील पर्याप्त नहीं हो सकती। सामाजिक सद्भाव के साथ-साथ विकास और अवसरों का वातावरण भी आवश्यक है। मुर्रान की घटना का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसने संवाद की आवश्यकता को रेखांकित किया है। लंबे समय तक चले संघर्ष और अविश्वास के बाद समाज में विश्वास का पुनर्निर्माण एक धीमी प्रक्रिया होती है। यह प्रक्रिया छोटे-छोटे कदमों से आगे बढ़ती है। किसी मंदिर में आयोजित पूजा, किसी पुराने पड़ोसी से मुलाकात, किसी साझा स्मृति का पुनर्स्मरण या किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता जैसे प्रयास समाज को धीरे-धीरे निकट लाने का कार्य करते हैं। संवाद की यही प्रक्रिया भविष्य में अधिक व्यापक सामाजिक मेल-मिलाप का आधार बन सकती है। शांति और सद्भाव की खबरें अक्सर संघर्ष और हिंसा की खबरों जितनी चर्चा नहीं पातीं, जबकि समाजों के पुनर्निर्माण में ऐसे सकारात्मक उदाहरणों का महत्व अत्यंत अधिक होता है। मुर्रान की घटना यह दर्शाती है कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद लोगों के भीतर सहअस्तित्व और सम्मान की भावना जीवित रह सकती है। यह भावना ही किसी समाज को आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान करती है। कश्मीरी पंडितों की वापसी का प्रश्न केवल एक समुदाय का प्रश्न नहीं है। यह कश्मीर की बहुलतावादी पहचान, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक संतुलन से भी जुड़ा हुआ है। जब विभिन्न समुदाय सम्मान और सुरक्षा के साथ एक ही समाज में रहते हैं, तभी उस समाज की विविधता और समृद्धि बनी रहती है। इसलिए कश्मीरी पंडितों की सम्मानजनक वापसी को केवल पुनर्वास की प्रक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि कश्मीर की सांस्कृतिक पूर्णता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भी देखा जा सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'योग कीजिए, निरोगी रहिए', अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर फिल्मी हस्तियों ने दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

मुंबई/एजेन्सी

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर देशभर में योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्रों, युवाओं, बुजुर्गों और अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। बेंगलुरु और मुंबई में आयोजित कार्यक्रमों में फिल्म जगत की कई हस्तियों ने भी हिस्सा लिया और योग को जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। बेंगलुरु में आयोजित योग दिवस कार्यक्रम में टॉलीवुड अभिनेत्री करुण्या गौड़ा ने कहा, मुझे इस योग कार्यक्रम का हिस्सा बनने और भारतीय नागरिक होने पर बहुत गर्व महसूस हो रहा है। योग की शुरुआत लगभग 5,000 साल पहले हुई थी। स्वामी विवेकानंद ने इसे दुनिया भर में पहचान दिलाई थी। इंटरनेशनल योग डे का यह 12वां एडिशन है, इसे बेंगलुरु में बीजेपी पार्टी ऑफिस के सामने मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में स्टूडेंट्स, बड़े-बुजुर्ग और हमारी तरह जेन-जी के युवा बड़ी संख्या में हिस्सा ले रहे हैं। हर कोई इस सेलिब्रेशन का हिस्सा है और लोगों में इतना उत्साह देखकर अच्छा लग रहा है, क्योंकि हाल के समय में बहुत सारे लोग जिम जाने के प्रति ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं। उन्होंने अपने रोजमर्रा के जीवन में योग की भूमिका के बारे में बताया और कहा, मैं रोज सुबह 20 मिनट और रात को सोने से पहले 20 मिनट मेडिटेशन करती हूं। यह मेरे लिए अनिवार्य है। मैं लगभग 20 बार सूर्य नमस्कार भी करती हूं। मुझे जिम जाना ज्यादा पसंद नहीं है। अगर आप मुझसे पूछें, तो इंडस्ट्री में एक दशक से ज्यादा समय बिताने के बावजूद ऐसा कोई साल नहीं रहा, जब मैं रेगुलर जिम गई हूं, लेकिन योग रोजाना करती हूं, इसलिए मैं गर्व से कह सकती हूं कि मैंने योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बना लिया है।

वहीं, योग दिवस के मौके पर मुंबई में एक विशेष आयोजन किया गया, जिसमें दिवंगत किसानों के 1,000 से ज्यादा बच्चों और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) स्कूलों के स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस और अभिनेता जैकी श्रॉफ ने योगाभ्यास किया। साथ ही फिटनेस, स्वास्थ्य और योग को नियमित जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में शाहिद कपूर भी शामिल हुए।इस अवसर पर अमृता फडणवीस ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, योग कीजिए, निरोगी रहिए। आज का युवा बेहद स्मार्ट है। वहीं नीट परीक्षा को लेकर उन्होंने छात्रों को शुभकामनाएं दी।अभिनेता जैकी श्रॉफ ने भी लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। हाथ में पौधा लेकर उन्होंने कहा, गहरी सांस लें और इसे (पौधा) लगाएं।

उन्होंने प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य को लेकर युवाओं को संदेश दिया और कहा कि वो पीएम मोदी की सेहत को देखें और उनसे सीखें। वह सिर्फ 3 घंटे सोते हैं और एक्टिव रहते हैं। कार्यक्रम में मौजूद अभिनेता शाहिद कपूर ने भी योग के महत्व को लेकर कहा, यह एक बहुत अच्छी पहल है और यहां बड़ी संख्या में बच्चे योग कर रहे हैं। मेरा मानना है कि योग हमारी विरासत और संस्कृति का हिस्सा है। मैंने कई बार योग किया है और मुझे लगता है कि यह मन, शरीर और आत्मा को जोड़ता है। यह आपके शरीर को लचीला और मजबूत बनाता है। योग करने से आपके अंदरूनी अंग भी सक्रिय होते हैं।

योग

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस और बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर रविवार को वर्ली स्थित छड्डउख डोम में 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' समारोह के दौरान योग मुद्रा में।

मिमी चक्रवर्ती ने सुरक्षा की मांग को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट का किया रुख

कोलकाता/एजेन्सी

टॉलीवुड अभिनेत्री और टीएमसी की पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती ने सुरक्षा की मांग को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया है। इस मामले की सुनवाई सोमवार को न्यायमूर्ति कौशिक चंदा की अदालत में होने की संभावना है। मिमी चक्रवर्ती ने बनगांव के भाजपा नेता तनय शास्त्री के खिलाफ याचिका दायर की है। पूरा मामला 25 जनवरी का है, जब मिमी चक्रवर्ती बनगांव में 'नया गोपालगंज युवक संघ' द्वारा आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देने पहुंची थीं। रात करीब 11:45 बजे वह मंच पर अपनी प्रस्तुति दे रही थीं। आरोप है कि इसी दौरान क्लब के एक पदाधिकारी तनय शास्त्री अचानक मंच पर चढ़ गए। बताया जाता है कि तनय शास्त्री ने

कार्यक्रम को बीच में ही रोक दिया और मिमी चक्रवर्ती को मंच से नीचे उतरने के लिए कहा। इस घटना से अभिनेत्री खुद को सार्वजनिक रूप से अपमानित महसूस करने लगीं। कार्यक्रम के तुरंत बाद उन्होंने बनगांव पुलिस थाने में तनय शास्त्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

मिमी चक्रवर्ती की लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और आरोपी के खिलाफ कदम उठाए। हालांकि बाद में तनय शास्त्री को जमानत मिल गई। जमानत पर रिहा होने के बाद उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया। मामला यहीं नहीं रुका। जेल से बाहर आने के बाद तनय शास्त्री ने मिमी चक्रवर्ती के खिलाफ 20 लाख रुपए का मानहानि का मुकदमा भी दायर कर दिया। इसके जवाब में मिमी चक्रवर्ती ने भी उन्हें कानूनी नोटिस भेजा। इस बीच राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव हुआ और पश्चिम बंगाल में भाजपा सत्ता में आ गई। इसी बदले हुए राजनीतिक माहौल और चल रहे कानूनी विवाद के बीच मिमी चक्रवर्ती ने अब अपनी सुरक्षा को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

जापान में गीता महोत्सव के दौरान मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

चंडीगढ़/भाषा। जापान में चल रहे 'अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव' के दौरान रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जापानी नागरिकों, भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों और विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों के सदस्यों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, योग अभ्यास, ध्यान और भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं की शिक्षाओं के माध्यम से इस कार्यक्रम ने भारत-जापान मैत्री और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने का एक सशक्त संदेश दिया। जापान में 19 से 23 जून तक अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2026 आयोजित किया जा रहा है। इस महोत्सव की शुरुआत शुक्रवार को जापान की संसद के सदस्यों, प्रमुख राजनेताओं, विद्वानों और भारत-जापान मैत्री के समर्थकों को श्रीमद्भगवद्गीता की प्रतियां भेंट करके की गई। रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का एक विशेष वीडियो संदेश भी प्रसारित किया गया।

सैनी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि योग भारत की एक अमूल्य विरासत है, जिसने आज पूरी दुनिया को स्वास्थ्य, संतुलन और शांति का मार्ग दिखाया है। उन्होंने जापान में आयोजित गीता महोत्सव की भी तारीफ़ की और आयोजकों एवं प्रतिभागियों को बधाई दी। मशहूर आध्यात्मिक गुरु स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि योग सिर्फ़ शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि आध्यात्मिक उन्नति, मानसिक शांति और वैश्विक सद्भाव का रास्ता है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया, जो तनाव, चिंता और संघर्ष से जूझ रही है, उसमें योग और श्रीमद्भगवद्गीता का संदेश बहुत ज़रूरी और प्रासंगिक है।

महोत्सव में हरियाणा सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए वरिष्ठ अधिकारी अमित अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार योग और गीता को दुनिया भर में बढ़ावा देने और फैलाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के जरिये भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया भर के अलग-अलग देशों तक पहुंचाया जा रहा है।

जापान के कई शहरों में योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में जापानी नागरिकों ने हिस्सा लिया। योग और ध्यान के प्रति जापान के लोगों की गहरी रुचि भारत की आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति बढ़ते आकर्षण का सबूत है। इस कार्यक्रम के दौरान खास मेहमान योगमाता केइको आइकावा को सम्मानित किया गया। उन्होंने भारत में आयोजित महाकुंभ में भी हिस्सा लिया था और भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। उन्होंने योग और ध्यान के जरिये विश्व शांति और मानव कल्याण पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि भारत की आध्यात्मिक परंपराएं पूरी मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं और जापान में योग और ध्यान के प्रति बढ़ती रुचि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और मज़बूत करेगी।

खामोश रहकर भाव दिखाना सबसे बड़ी चुनौती : सोनाली बेंद्रे

मुंबई/एजेन्सी

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों एक नई वेब सीरीज 'राख' को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस सीरीज में कहानी, माहौल और अभिनय तीनों की काफी चर्चा हो रही है। खासकर अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे का किरदार लोगों का ध्यान खींच रहा है। लंबे समय बाद स्क्रीन पर वापसी करने वाली सोनाली ने इस बार एक ऐसे किरदार को निभाया है जिसमें डायलॉग्स बेहद कम हैं और पूरा अभिनय भावनाओं और खामोशी के जरिए दिखाया गया है। उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके लिए कितना अलग और चुनौतीपूर्ण रहा।

सोनाली बेंद्रे ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, ''मेरे पास काम करने के लिए बहुत अच्छा कंटेंट था। सच कहूं तो मेरा 50 प्रतिशत से ज्यादा काम पहले हो गया था। कहानी ने मुझे इतना मजबूत आधार दिया कि मुझे अपने किरदार को गढ़ने में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी।'' सोनाली ने कहा, ''मेरे

किरदार में डायलॉग्स न होना एक अलग अनुभव था। अब मेरी पहले जैसी याददाश्त नहीं रही, इसलिए लंबे डायलॉग याद करना मुश्किल हो जाता है, लेकिन इस किरदार में इसकी जरूरत ही नहीं थी। मेरे लिए यह बात एक तरह से आसान भी साबित हुई, क्योंकि पूरा फोकस सिर्फ भावनाओं पर था, लेकिन बिना डायलॉग के अभिनय करना उतना आसान नहीं होता जितना दिखता है। इस तरह के किरदार में हर भावना को अंदर से महसूस करना पड़ता है और उसे चेहरे, आंखों और छोटे-छोटे इशारों से जाहिर करना होता है। यह एक अलग तरह की मेहनत है, जहां कलाकार को शब्दों का सहारा नहीं मिलता।''

सोनाली बेंद्रे ने आगे कहा, ''मेरे किरदार में एक संघर्ष था, जब आप ऐसे किसी किरदार को बहुत गहराई से जीते हैं, तो उसे छोड़ना आसान नहीं होता। कई बार शूटिंग खत्म होने के बाद भी मैं उस किरदार की भावनाओं से बाहर नहीं निकल पाती थी। कभी-कभी मेरा किरदार मेरे साथ घर तक चला आता था, जो थोड़ा डरावना और थकाने वाला अनुभव था।''

सीरीज 'राख' एक क्राइम थ्रिलर है, जिसकी कहानी 1970 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इस सीरीज को दर्शक ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

सामूहिक विवाह

पटना में 'माँ वैष्णो देवी सेवा समिति' द्वारा आयोजित एक सामूहिक विवाह कार्यक्रम में हिस्सा लेतीं नवविवाहित दुल्हनें।

नेगेटिव कमेंट्स का असर खुद पर नहीं पड़ने देता : अनुपम खेर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अनुपम खेर ने सफलता, दृढ़ता और आलोचना का सामना करने के बारे में एक प्रेरक संदेश शेयर किया है। हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में अनुपम खेर बताया कि अब वे नेगेटिव कमेंट्स का खुद पर असर नहीं पड़ने देते। चुनौतियों के प्रति अपने जीवनभर के लगाव के बारे में बात करते हुए खेर ने कहा कि असली खुशी सिर्फ शिखर पर पहुंचने में नहीं, बल्कि मुश्किलों को पार करने के सफर में मिलती है। अपनी कई तस्वीरें शेयर करते हुए 'तन्वी द ग्रेट' के एक्टर ने लिखा, मुझे हमेशा से चढ़ाई करना पसंद रहा है। इसलिए नहीं कि मैं शिखर पर पहुंचना चाहता हूं, बल्कि इसलिए क्योंकि मुझे चढ़ाई की चुनौती पसंद है।

रास्ता जितना मुश्किल होता है, ऐसी जगह पहुंचने पर उतनी ही अधिक खुशी मिलती है, जहां पहुंचने की आपने कभी उम्मीद नहीं की थी। हां, जब आप किसी खास मुकाम पर पहुंच जाते हैं, तो हमेशा ऐसे लोग होते हैं जो आपको नीचे खींचना चाहते हैं। शायद ऐसा करने से उन्हें बेहतर महसूस होता है।

अभिनेता ने आलोचना को लेकर कहा, अगर वे वहां नहीं पहुंच पाते जहां आप पहुंचे हैं, तो उनके पास दो रास्ते होते हैं, या तो वे इसके लिए मेहनत करें या आपकी आलोचना करें। आलोचना करना आमतौर पर आसान होता है। अब मैं इसे दिल पर नहीं लेता। मैं बस एक और पहाड़, एक और सीढ़ी, एक और चुनौती की तलाश में रहता हूं। आखिर, असली खुशी कभी भी सबसे ऊपर खड़े होने में नहीं थी। खुशी तो हमेशा ऊपर चढ़ने में रही है। है ना!??इस पोस्ट के साथ कई तस्वीरें भी साझा की है। इन तस्वीरों में अभिनेता खेर सीढ़ी पर बैठकर अलग-अलग पोज़ देते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह उनके उस संदेश को दिखाता है जिसमें वे लगातार कोशिश करने, आगे बढ़ने और नई चुनौतियों को अपनाने की खुशी की बात करते हैं।

इसके पहले अनुपम खेर ने आई एम एन इंडियन नाम से एक दमदार और भावुक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में खेर ने भारतीयों से जुड़ी कई आम धारणाओं और रूढ़ियों पर बात की, चाहे वे देश में हों या विदेश में। प्रोफेशनल तौर पर बात करें तो अनुपम खेर आखिरी बार फिल्म तन्वी द ग्रेट में नज़र आए थे, जिसे उन्होंने खुद डायरेक्ट भी किया था। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, बोमन ईरानी, ङ्कङ्कपल्लवी जोशी, करण टैकर, नसीरुद्दीन शाह और इयान ग्लेन जैसे कई कलाकार अहम भूमिकाओं में थे।

अधिवेशन

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद रविवार को तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित 'अखिल भारतीय कोली समाज' के 12वें राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होते हुए।

अभिनेत्री एलनाज नौरोजी की जिंदगी में योग और संगीत से आया बदलाव

मुंबई/एजेन्सी

21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और वर्ल्ड म्यूजिक डे मनाया जाएगा। जिसकी तैयारी जोरों-शोरों से चल रही है। जिसको लेकर अभिनेत्री एलनाज नौरोजी की प्रतिक्रिया सामने आई है। उनका कहना है कि योग और संगीत ने उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल जिंदगी में बदलाव लाने वाली भूमिका निभाई है। जुबिन नौटियाल के साथ एलनाज अपने हिंदी सिंगिंग डेब्यू 'हुआ' के जरिए म्यूजिक की दुनिया में एक नया सफर शुरू करने जा रही हैं और साथ ही योग से मिलने वाले सुकून का भी जश्न मना रही हैं। उन्होंने कहा, योग और म्यूजिक, दोनों से मुझे हमेशा एक जैसा सुकून मिला है। दोनों के लिए जरूरी है कि आप थोड़ा ठहरें, वर्तमान में रहें और अपने अंदर की गहराई से जुड़ें।उन्होंने कहा, एक

आर्टिस्ट के तौर पर, मेरी जिंदगी अक्सर यात्रा, परफॉर्मेंस और लगातार भागदौड़ से भरी रहती है, इसलिए योग मुझे बैलेंस बनाने में मदद करता है, जबकि म्यूजिक मुझे उन भावनाओं को जाहिर करने में मदद करता है, जिन्हें कभी-कभी शब्दों में नहीं कहा जा सकता।उन्होंने आगे कहा, यह साल मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि मैं इंटरनेशनल योग डे मना रही हूं और साथ ही जुबिन नौटियाल के साथ अपने हिंदी सिंगिंग डेब्यू 'हुआ' के जरिए म्यूजिक की दुनिया में एक रोमांचक नया सफर भी शुरू कर रही हूं।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, योग की तरह ही, म्यूजिक में भी लोगों को ठीक करने, उनका हौसला बढ़ाने और उन्हें एक साथ लाने की ताकत है। मुझे इस साल दिल्ली में योग डे के खास सेलिब्रेशन का हिस्सा बनने पर गर्व है, और मुझे उम्मीद है कि हर किसी को कोई न कोई ऐसी चीज मिलेगी। चाहे वह योग हो, म्यूजिक हो या कुछ और। जिससे उन्हें खुशी, ठहराव और अंदरूनी शांति मिले। एलनाज नौरोजी के प्रोफेशनल करियर की बात करें तो अभिनेत्री को नेटफ्लिक्स की मशहूर सीरीज 'सेक्रेड गेम्स' में जोया मिर्जा का किरदार निभाकर काफी पहचान मिली। उसके बाद से वह कई फिल्मों और ओटीटी प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं।

स्कॉटलैंड पर मोरक्को की जीत का नोरा फतेही ने मनाया जश्न

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड डांसिंग डीवा नोरा फतेही ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में स्कॉटलैंड के खिलाफ मोरक्को को मिली 1-0 की जीत पर खुशी जाहिर की है। नोरा की मैच को लेकर की गई भविष्यवाणी भी पूरी तरह से सही साबित हुई। मोरक्को की रहने वाली एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'इंस्टाग्राम' पर स्टोरी के जरिए बोस्टन स्टेडियम में हुए मैच की कुछ क्लिप और तस्वीरें शेयर कीं। नोरा ने 28 साल पहले इन दोनों टीमों के बीच खेले गए मुकाबले के बारे में दिलचस्प जानकारी भी शेयर की। एक्ट्रेस ने सबसे पहले स्टेडियम से अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें उन्होंने लाल टी-शर्ट के साथ सफेद प्लीटेड शॉर्ट स्कर्ट पहनी हुई थी। फिर उन्होंने अपनी भविष्यवाणी का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्हें एक वीडियो में यह कहते हुए

सुना गया, मैं यहां बोस्टन में मोरक्को बनाम स्कॉटलैंड मैच में हूं। मेरी भविष्यवाणी 1-शून्य है।

दूसरी क्लिप में, नोरा को यह कहते हुए सुना गया: दोस्तों, मजेदार बात यह है कि स्कॉटलैंड और मोरक्को 28 साल बाद एक साथ खेल रहे हैं। उस मैच में मोरक्को ने स्कॉटलैंड को 3-0 से हराया था। वे इस मैच के लिए फिर से एक साथ आए हैं; यह जबरदस्त होने वाला है। क्या हम फिर से 3-0 करेंगे? मुमकिन है! मोरक्को ने 70 सेकंड के अंदर जैसे ही मैच में अपना पहला गोल दागा, तो स्टैंड में मौजूद नोरा इस गोल का जश्न मनाती हुई नजर आईं। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, मोरक्को बनाम स्कॉटलैंड, मैंने 1-0 की भविष्यवाणी की थी। स्कॉटलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में मोरक्को का प्रदर्शन शानदार रहा। मोरक्को ने पूरे मैच में स्कॉटलैंड के डिफेंस पर दबाव बनाए रखा और शुरुआती गोल करने के बाद विपक्षी टीम को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ ही मोरक्को ग्रुप ए में पहले स्थान पर पहुंच गई है। मोरक्को ने अब तक खेले अपने दोनों ही मुकाबलों में जीत दर्ज की है। टीम के 2 मैचों के बाद कुल 6 अंक हैं। नोरा इससे पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ हुए मोरक्को के पहले मैच में भी टीम को चीयर करने पहुंची थीं।

महेश नवमी महोत्सव में अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित, विजेताओं को किया पुरस्कृत

वयोवृद्ध दम्पति तथा मेधावी विद्यार्थियों का भी किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। माहेश्वरी सभा द्वारा माहेश्वरी वंश का 5159वां वंशोत्पति दिवस 'महेश नवमी महोत्सव-2026' का आयोजन रविवार को माहेश्वरी भवन में किया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष भगवानदास लाहोटी, महिला संगठन उपाध्यक्ष निर्मला कांकाणी, युवा संघ अध्यक्ष विवेक भूतड़ा, सेवा ट्रस्ट मैनेजिंग ट्रस्टी भगवान बलदवा, फाउंडेशन के चेयरमैन प्रह्लाद आगीवाल, सौहार्द कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डागा, वरिष्ठ सदस्य घनश्याम बागरी, विजयकुमार तोषनीवाल, कार्यसमिति सदस्य गोविंद बियानी एवं आशीष गिलड़ा ने भगवान महेश की पूजा व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वेस्ट जोन के सदस्य हरिकिशन सारड़ा, संजय साबू, संजीव झंवर, नीरज बियानी एवं हरीश तापड़िया ने महेश वंदना प्रस्तुत की। अध्यक्ष भगवानदास लाहोटी ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि महेश नवमी केवल जाति नहीं, भगवान शिव का प्रसाद है। यह हमारी पहचान है, हमारा स्वाभिमान है। अध्यक्ष ने कहा कि समाज का कोई कार्य अकेले नहीं होता। उपस्थिति, मुस्कान और सहयोग ही कार्यक्रम की असली सुंदरता है। उन्होंने साथी महिलाओं को माहेश्वरी संस्कारों की धरोहर को बच्चों तक पहुंचने में और युवाओं को तकनीक के सहयोग से संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।चित्रकला प्रतियोगिता कल्पना बाहेती एवं ऋतु चितलांगिया के नेतृत्व में आयोजित हुई जिसमें 3 ग्रुप बनाए गए तथा वर्गानुसार क्रमश: प्रथम-द्वितीय विहान करनानी, रिधिमा सोड़ानी, अनाइका भंडारी, रुही बिहानी एवं मिश्का माहेश्वरी एवं मेहक भूतड़ा को मिला। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता सुनीता मूंदड़ा एवं शैलू सारड़ा की देखरेख में हुई जिसमें प्रथम वर्ग में साक्षी झंवर व दीवित तथा दूसरे वर्ग में दिशा झंवर व नमिश बाहेती पुरस्कार प्राप्त हुए।सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत माहेश्वरी सभा के साउथ जोन सदस्यों ने समुद्र मंथन में भगवान शिव द्वारा विषपान की कथा को नृत्य नाटिका के रूप में प्रस्तुत किया, नॉर्थ जोन सदस्यों ने अर्धनारीश्वर के रूप को नृत्य के रूप में प्रस्तुत किया तथा सेंट्रल जोन सदस्यों ने शिवशक्ति की महिमा की जोशीले अंदाज में मनमोहक प्रस्तुति दी ।

वयोवृद्ध सम्मान कार्यक्रम के अंतर्गत सभा के सदस्य विजयकुमार-सुमित्रादेवी परवाल, हनुमानप्रसाद-शांतिदेवी मूंदड़ा, बृजमोहन कासट एवं कौशल्यादेवी जाजू का सम्मान माहेश्वरी सभा, युवा संघ एवं महिला संगठन के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। विशिष्ट उपलब्धि सम्मान के अंतर्गत दीविशा पचीसिया को छोटी उम्र में 3 पुस्तक लेखन प्रकाशित होने और राज्य स्तर पर पुरस्कृत होने के उपलक्ष्य में, 2 वर्ष 11 महीने की उम्र में ही पांव की उंगलियों पर चलने के लिए अयाश लोहिया को तथा जेइई मेन्स परीक्षा में ऑल इंडिया में 211 रैंक तथा एडवांस में राष्ट्रीय स्तर 167 वां स्थान प्राप्त करने के प्रनील सिंघी को सम्मानित किया गया।

कक्षा 1 से कक्षा 12 तक के मेधावी विद्यार्थियों को सरस्वती पुरुस्कार के अंतर्गत एचीवर एवं सुपर एचीवर अवार्ड्स दिए गए। स्वास्तिक राठी को 10वीं कक्षा में 99.2 प्रतिशत,12 वीं कक्षा में विज्ञान में वेदांत डागा को 99.40 प्रतिशत, वाणिज्य में आयुष धूत को 99 प्रतिशत अंक के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया। महेश नवमी महोत्सव के उपलक्ष्य में अपोलो हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 33 यूनिट रक्त दान किया गया। सह सचिव रविकांत राठी ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन नॉर्थ जोन के सचिव सुनील सारड़ा ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेयुप बेंगलूरु

विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु द्वारा ओकलीपुरम स्थित रेलवे ग्राउंड पर योग से होगा 3.0 कार्यक्रम में योग अभ्यास करवाया गया। परिषद के अध्यक्ष विनोद कोठारी ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया तथा सभी को योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया।

जीतो हुब्बल्ली ने उत्साह के साथ योग दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) हुब्बल्ली चैप्टर ने रविवार को स्पोर्ट्स पार्क में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जिसमें योगभावना' की योग प्रशिक्षिका भावना बाफना ने प्रतिभागियों को कई तरह के योगासन, सांस लेने के व्यायाम और माइंडफुलनेस (सजगता) के अभ्यास करवाए।

उन्होंने रोज़मर्रा की ज़िंदगी में योग को शामिल करने के महत्व पर ज़ोर दिया गया, ताकि शरीर का लचीलापन और ताकत बढ़े, पोस्चर (शरीर की मुद्रा) बेहतर हो, तनाव कम हो। इस मौके पर वाइस चेयरमैन शरद मोमाया ने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए योग के समग महत्व पर प्रकाश डाला।

तिरुवल्लूर में अमोनिया गैस रिसाव से दो लोगों की मौत

तिरुवल्लूर। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में एक निजी फिश मील निर्यात कारखाने की उत्पादन इकाई में अमोनिया गैस रिसाव के कारण दो महिलाओं की मौत हो गई और 62 अन्य लोग प्रभावित हुए। राज्य सरकार ने यह जानकारी दी। यह घटना पेरियापालयम के निकट कनिगैपेयर गांव में हुई। सरकारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशक, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव और लोक स्वास्थ्य के अतिरिक्त निदेशक को शामिल करते हुए तीन सदस्यीय समिति गठित करने का निर्देश दिया है तथा 24 घंटे के भीतर अंतरिम रिपोर्ट और तीन दिनों में अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।

'किया फेयर-दि इनर स्टोरी' का तीन दिवसीय आयोजन 21 जुलाई से

फेयर की स्टॉल बुकिंग व तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन(किया) द्वारा आयोजित 'किया फेयर-दि इनर स्टोरी' का तीन दिवसीय आयोजन 21 जुलाई से पैलेस ग्राउंड स्थित गेट 9 सभागार में किया जाएगा जिसके आयोजन हेतु स्टॉल बुकिंग एवं आगामी तैयारियों के संबंध में एसोसिएशन की साधारण बैठक शनिवार को एक होटल में की गई। बैठक में एसोसिएशन के सदस्य, वितरक, निर्माता तथा विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रदर्शनी की तैयारियों एवं शेष स्टॉल बुकिंग के विषय में विस्तृत चर्चा की गई।इस अवसर पर अध्यक्ष महावीरचंद मेहता ने आगामी दो वर्षों के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा की, जिसमें अश्विन सेमलानी एवं गौरव शर्मा को उपाध्यक्ष, जी. कृष्णमूर्ति को मंत्री, सूरज शर्मा को सहमंत्री, राजेश चोपड़ा को कोषाध्यक्ष तथा विनोद चौहान एवं मूलसिंह राजपुरोहित को सहकोषाध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्य के रूप में श्रीपाल मेहता, भरत कुमार, माधोराम खदाव, मनीष जैन, घेवरलाल बोराणा, विक्रम दास, अमित जैन, मिश्रीमल प्रजापत एवं शेंकी जैन को जिम्मेदारी सौंपी गई। सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने मिलजुलकर कार्य करते हुए एसोसिएशन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का संकल्प लिया। सभा में अनेक ट्रेडर्स, मेन्युफैक्चरर्स एवं रिटेलर्स ने भी सहभागिता की। सभा का संचालन श्रीपाल मेहता ने किया। गौरव शर्मा ने फेयर की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा सचिव जी. कृष्णमूर्ति ने आगामी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी दी। अध्यक्ष महावीरचंद मेहता ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। पूर्व अध्यक्ष दिलीप जैन ने नई कार्यकारिणी का स्वागत करते बधाई दी। प्रमुख स्टॉल टेक्नो स्पोर्ट्स (हीरा स्पोर्ट्स) द्वारा बुक किया गया तथा अन्य स्टॉलों की बुकिंग चालू है।

तेयुप दासरहल्ली ने तीन दिवसीय योग कार्यक्रम आयोजित किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद (तेयुप) टी दासरहल्ली द्वारा रविवार को विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में त्रिदिवसीय योग कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय तेरापंथ भवन में किया गया।

अध्यक्ष दिलीप पितलिया ने सभी का स्वागत किया। पहले दिन पूर्व अध्यक्ष राकेश चावत, द्वितीय दिवस पर नीरज जैन, संगीता जैन, डिंपल जैन, ललित काल्या एवं तृतीय दिवस शान्वी ने उपस्थित सभी जनों को योग करवाया। इस आयोजन में तेरापंथ सभा, परिषद, महिला मंडल, स्थानकवासी जैन संघ, युवा संघ, मुनिसुव्रत स्वामी मूर्तिपूजक संघ, जैन महावीर मंडल आदि के सदस्यों ने भाग लिया। मंत्री कल्पेश चावत ने संचालन किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भंसाली समाज

विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय भंसाली समाज (दक्षिण) की ओर से रविवार को योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रोजेक्ट निदेशक बसंत भंसाली, रमेश भंसाली के नेतृत्व में दीपचन्द पुष्पादेवी भंसाली परिवार द्वारा प्रायोजित इस आयोजन में भंसाली समाज, साउथ युवा व महिला शाखा के सदस्यों ने उत्साह से भाग लिया तथा योगाभ्यास किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आनंद मार्ग संघ

आनंद मार्ग प्रचारक संघ के स्वयंसेवकों, आचार्य अनुपमा और आचार्य कृष्णसुन्दरानंद द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को शहर के 3 स्थानों पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था ने कट्टमंगलूरु स्थित एसबीआर प्रवनिका अपार्टमेंट, कामगोंडनहल्ली स्थित स्कूल एवं बीटीएम लेआउट स्थित जीएसटी व कस्टम स्टॉफ क्वार्टर्स में योग कार्यक्रम आयोजित किए तथा शामिल लोगों को योगासन सिखाए और प्रशस्ति पत्र बांटे।

तेरापंथ भवन आडगुडी :

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में तेरापंथ भवन आडगुड़ी द्वारा प्रेक्षा फाउंडेशन, जैन विश्व भारती लाडनूं के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन हुआ। सभा के अध्यक्ष कन्हैयालाल सिंघी ने सभी स्वागत किया। प्रशिक्षक रिचा जैन ने योगासन एवं प्रेक्षा ध्यान के विषय में जानकारी प्रदान करते हुए योगासन, योग क्रियाएं एवं प्राणायाम का प्रयोग करवाया। प्रेक्षा ध्यान प्रशिक्षिका प्रिया खाटेड़ ने प्रेक्षा ध्यान करवाया।

मोक्ष प्राप्ति के लिए भी योग है मील का पत्थर : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के केंगेरी जैन समाज में योग दिवस के मौके पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने कहा कि शारीरिक योग साधना के साथ मन और वचन के योग का समावेश कर दिया जाए तो अलौकिक चमत्कार प्रकट होते हैं।मोक्ष प्राप्ति के लिए भी योग ही मील का पत्थर साबित होता है। आत्मा की अनंत शक्ति का साक्षात्कार करने के लिए योग रूपी सशक्त माध्यम महापुरुषों ने बताया है। जैन मुनि ने कहा कि मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत करने के लिए है योग। योग क्रिया के अलावा और कोई साधन नहीं है। ऋषि मुनियों के आध्यात्मिक ज्ञान से निर्मित योग पूरे विश्व में छाया हुआ है। इसी के माध्यम से भारत पुनः विश्व गुरु के स्थान को प्राप्त करने की ओर है। भारत वर्ष ने योग के माध्यम से जाति, धर्म, संप्रदाय, ऊंच, नीच, गरीब, अमीर, देश, विदेश सभी सीमाओं से ऊपर उठकर संसार की मानवीय एकता को मजबूत करने का काम किया है।

तेयुप विजयनगर के रक्तदान शिविर में 49 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । तेरापंथ युवक परिषद (तेयुप) विजयनगर एवं गोल्फ लिंक्स सॉफ्टवेयर पार्क प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव के अंतर्गत शुक्रवार को एम्बेसी गोल्फ लिंक्स सॉफ्टवेयर पार्क परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें 49 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ। मंत्री कमलेश दक ने उपस्थित कर्मचारियों एवं युवाओं को रक्तदान के महत्व से अवगत कराते हुए इसे मानव सेवा का श्रेष्ठ माध्यम बताया।

लायंस ब्लड बैंक एवं बीएमएसटी ब्लड बैंक की विशेष चिकित्सा टीम द्वारा रक्त संग्रहित किया गया। शिविर में सॉफ्टवेयर पार्क के कर्मचारियों एवं स्थानीय युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए मानवता के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया।

आदर्श विद्यालय में हुआ योग दिवस का आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आदर्श विद्या संघ द्वारा संचालित मनवरतपेट स्थित आदर्श स्कूल में योग दिवस का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम तथा ध्यानाभ्यास का सामूहिक प्रदर्शन किया। योग के माध्यम से शारीरिक सुदृढ़ता, मानसिक एकाग्रता एवं आध्यात्मिक उन्नयन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रज्ञा यादव ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित योगाभ्यास अपनाने तथा स्वस्थ जीवनशैली को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। उप-प्राचार्या अलका जैन ने भी विद्यार्थियों को नियमित योग करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने प्रतिदिन योग करने का संकल्प दिलवाया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अलसूर महावीर भवन

विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को अलसूर स्थित महावीर भवन में धार्मिक कक्षा में बच्चों को विशेष रूप से योग का महत्व बताते हुए योग सिखाया और कराया गया। प्रशिक्षकों ने कहा कि योग तन और मन के लिए दिव्य औषधि के समान है और प्रतिदिन नियमित रूप से योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है और मन शांत रहता है। धार्मिक शिक्षिका किरण बाई गादिया ने अष्टमंगल योग साधना कराई एवं राजेश्वरी तातेड़ तथा आशा बाई बोहरा ने अन्य योग आसन करवाए।

स्पर्श अस्पताल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के राजराजेश्वरीनगर स्थित स्पर्श अस्पताल में रविवार को योग दिवस के मौके पर योग शिक्षक रामगोपाल शर्मा व राजेश्वरी द्वारा अस्पताल के 150 डाक्टर व कर्मचारियों को योग करवाया गया तथा योग से होने वाले लाभों की जानकारी दी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**